epaper.dehatsandesh.com

3 मुबारक मंडी में गांधी जयंती पर भव्य कार्यक्रम, द्वि कॉम रहे मुख्य अतिथि
5 आईएलटी 20 नीलामी: आंद्रे फ्लेचर सबसे महंगे खिलाड़ी
8 धनिया मसालों वाली फसलों में महत्वपूर्ण स्थान

मौसम जम्मू न्यूनतम 24 अधिकतम 30

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-243 | जम्मू तवी, शुक्रवार 03 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

आतंकवाद के रावण के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की जीतः राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के रावण के खिलाफ जीत करार देते हुए सीमा पार बैठे आतंकवादियों और उनके सरपरस्तों को करारा जवाब देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की।

यहाँ लाल किले पर दशहरा समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, हमारे सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के रावण पर एक निर्णायक जीत का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, जब आतंकवाद मानवता पर हमला करता है, तो उसका मुकाबला करना ज़रूरी हो जाता है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के रावण के खिलाफ जीत का प्रतीक है और हम इसके लिए अपने सैनिकों को सलाम करते हैं।गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर इस साल 7 मई को पाकिस्तान में आतंकवादी ढाँचे के खिलाफ शुरू किया गया था। यह 22 अप्रैल को पहलगाम में

"आतंकवादियों और उनके सरपरस्तों को करारा जवाब देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को सलाम

हुए आतंकवादी हमले का जवाब था, जिसमें 26 नागरिक, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे, मारे गए थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी मुख्यालयों को नष्ट कर दिया, जिसके कारण दोनों देशों के बीच झड़पें हुईं।यह झड़पें चार दिनों तक जारी रहीं और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) द्वारा अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर युद्धविराम का अनुरोध करने के बाद यह युद्ध समाप्त हुआ। राष्ट्रपति ने कहा कि दशहरा का त्योहार हमेशा से बुराई पर अच्छाई, अहंकार पर विनम्रता और घृणा पर प्रेम की विजय का प्रतीक रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई अन्य नेताओं ने गुरुवार को गांधी जयंती के अवसर पर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर श्रीमती मुर्मु, श्री राधाकृष्णन और श्री मोदी सहित कई अन्य नेता महात्मा गांधी की समाधि स्थल राजघाट पहुंचे और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति राजघाट पर महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर आयोजि सर्व धर्म प्रार्थना में भी शामिल हुयीं। इससे पहले श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, गाँधी जयंती, प्रिय बापू के असाधारण जीवन को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिनके आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने दिखाया कि कैसे साहस और सादगी महान परिवर्तन के साधन बन सकते हैं। वे सेवा और करुणा की शक्ति को लोगों को सशक्त बनाने के अनिवार्य साधन मानते थे।

उपराज्यपाल ने गांधी जयंती समारोह में किया संबोधन

बापू के आदर्श पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत

श्रीनगर, 02 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पूज्य महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बापू के आदर्श पूरी मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि युवाओं में अहिंसा, सत्य, सहिष्णुता और करुणा के मूल्य स्थापित किए जाएं।

उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में रह रहे हैं जब वैश्विक चुनौतियां शांति और स्थिरता को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। समकालीन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें पूज्य बापू के आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए।

उपराज्यपाल ने यह बात श्रीनगर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती पर केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बापू के सपनों को साकार किया

प्रधानमंत्री मोदी महात्मा गांधी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं

जा रहा है।

निःस्वार्थ सेवा और कर्तव्यों के सिद्धांत, जिन पर गांधीजी आजीवन चले, हमें विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में दिशा देंगे। आर्थिक समृद्धि के साथ हम एक ऐसे समाज का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो नैतिक बल से संचालित हो और समानता एवं न्याय पर आधारित हो।उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे स्वदेशी को अपनाएं और स्व-सहायता समूहों तथा एमएसएमई द्वारा निर्मित उत्पाद खरीदें। उन्होंने आगे कहा, भविष्य की दिशा तय करते समय अपनी जड़ों और भारत की अमर आत्मा को याद रखें। समाज और प्र.ति को सामंजस्य में रहना चाहिए। अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि .षि, उद्योग और सेवा क्षेत्र मिलकर समृद्ध भारत की अर्थव्यवस्था

लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा निर्मित उत्पादों को खरीदने का आह्वान किया

के लिए कार्य करें। उपराज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भी जनता को बधाई दी।यह कार्यक्रम, जो स्कूल शिक्षा विभाग और संस्.ति विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जो सेवा पर्व के समापन समारोह का भी प्रतक बना।कार्यक्रम के दौरान उपराज्यपाल ने विभिन्न जिलों और स्कूलों को सेवा पर्व में उनके उत्.ष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने गांधी ग्लोबल फैमिली, संत निरंकारी मिशन और हर घर तिरंगा अभियान के स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया।

जम्मू क्षेत्र में पिछले एक पखवाड़े से डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी हो रही : स्वास्थ्य चिकित्सक

जम्मू, 02 अक्टूबर। पिछले एक पखवाड़े से डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है और जम्मू में इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस साल अब तक जम्मू क्षेत्र में 1,100 से ज़्यादा मामले सामने आ चुके हैं, जो पिछले साल की तुलना में थोड़ा कम है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश और जलभराव ने मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा कर दी हैं। उन्होंने कहा, कई जगहों पर पानी जमा हो गया है, जिससे मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा, जम्मू क्षेत्र में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए जम्मू नगर निगम द्वारा जम्मू शहर भर में सघन थर्मल फॉगिंग और छिड़काव किया जा रहा है। नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा जम्मू नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जेएमसी आयुक्त देवांश यादव ने सभी स्तरों पर निरंतर और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा। यादव ने फील्ड टीमों को संवेदनशील, जलभराव वाले और घनी आबादी वाले इलाकों में अभियान तेज करने का निर्देश दिया, जहाँ मच्छरों के पनपने का खतरा ज़्यादा रहता है। उन्होंने निवासियों से अपने आस-पास की सफ़ाई बनाए रखने, घरेलू बर्तनों, ओवरहेड टैंकों और खुली नालियों में पानी जमा न होने देने और जमा पानी को अच्छी तरह ढककर रखने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने लोगों को मच्छरों के काटने से बचने के लिए मच्छरदानी, मच्छर भगाने वाली क्रीम और पूरी बाजू के

क पड़े पहनने जैसे निवारक उपाय अपनाने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों ने भी लोगों से मच्छरों के काटने से बचने के लिए मच्छर भगाने वाली क्रीम और पूरी बाजू की शर्ट पहनने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि मच्छर मानसून के दौरान जमा हुए पानी में पनपते हैं। सबसे ज़्यादा 460 मामले जम्मू ज़िले से सामने आए हैं, उसके बाद कठुआ में 342 मामले सामने आए हैं।

अपराध शाखा ने करोड़ों रुपये के घोटाले में महिला के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

जम्मू, 02 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा ने एक बड़े नौकरी घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए एक कुख्यात महिला और उसके दो साथियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इन लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर निर्दोष लोगों से करोड़ों रुपये ठगे थे। तीनों ने कथित तौर पर 10 लोगों को नौकरी दिलाने का वादा करके उनसे भारी मात्रा में पैसा ऐंठने और भोले-भाले युवाओं को सरकारी सेवा में फर्जी नियुक्ति आदेश जारी करके लोगों को ठगने की साजिश रची। अपराध शाखा के एक अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान अपराध पूरी तरह से साबित होने के बाद, मामले का आरोपपत्र जम्मू में रेलवे मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सांबा जिले के रामगढ़ की कथित महिला धोखेबाज और उसके दो साथियों, दलीप सिंह और सुभाष चंद्र के खिलाफ कोट भलवाल के बबल कुमार की शिकायत पर 2024 में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने धोखाधड़ी और जालसाजी करके उसके दो बेरोजगार और शिक्षित बेटों को सरकारी नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके उससे 50 लाख रुपये ठग लिए और फर्जी नियुक्ति आदेश भी जारी किए। उन्होंने बताया कि इसी साल नौ पीड़ितों की लिखित शिकायत पर 1.27 करोड़ रुपये के एक अन्य नौकरी घोटाले में उसी महिला और उसके साथियों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है और उसकी जांच की जा रही है। जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (अपराध) बेनाम तोश ने कहा कि आगे की जांच जारी है और न्यायिक निर्णय के लिए आरोप पत्र अदालत में दायर कर दिया गया है।

लेह के ज़िला मजिस्ट्रेट ने 24 सितंबर, 2025 को हुई गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति की मजिस्ट्रेट जाँच के दिए आदेश

लेह, 2 अक्टूबर । लेह के ज़िला मजिस्ट्रेट ने 24 सितंबर, 2025 को हुई गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति की मजिस्ट्रेट जाँच के आदेश दिए हैं जिसके परिणामस्वरूप पुलिस कार्रवाई के दौरान चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी।

उपजिला मजिस्ट्रेट नुबरा मुकुल बेनीवाल को घटना के विस्तृत तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया है।आदेश में लिखा है कि चूँकि ज़िला मजिस्ट्रेट लेह ने आदेश संख्या 03 न्यायिक दंड प्रक्रिया संहिता, 2025 दिनांक 26/09/2025 के तहत, 24/09/2025 को लेह में हुई गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस कार्रवाई के दौरान 04 व्यक्तियों की मृत्यु की मजिस्ट्रेट जाँच के लिए मुकुल बेनीवाल को जाँच अधिकारी नियुक्त किया है।

जबकि जाँच का उद्देश्य कानून और व्यवस्था की गंभीर स्थिति, पुलिस कार्रवाई और परिणामस्वरूप 04 व्यक्तियों की मृत्यु के विस्तृत तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाना है जिनमें जिग्मेट दोरजे पुत्र यूंटन चोस्पेल निवासी खरनाक, रिनचेन दादुल पुत्र त्सेरिंग मोरुप निवासी हनु, स्टैनज़िन नामगेल पुत्र नवांग ज़ोटपा निवासी इगू और त्सावांग थारचिन पुत्र स्टैनज़िन नामग्याल निवासी स्कर्बुचन शमिल हैं।

आदेश में निर्देश दिया गया है कि विस्तृत जाँच रिपोर्ट चार सप्ताह की अवधि के भीतर प्रस्तुत की जानी चाहिए।

इस घटना के बारे में जानकारी रखने वाला, घटना के संबंध में जाँच अधिकारी के समक्ष मौखिक साक्ष्य/लिखित बयान/सामग्री साक्ष्य (फोटो या वीडियो रिकॉर्डिंग) दे सकता है।

कक्षा 8 तक के स्कूल आज से खुलेंगे

दुकानें सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुलेंगी

लेह, 2 अक्टूबर। लद्दाख प्रशासन ने लेह ज़िले में कक्षा 8 तक के स्कूलों को शुक्रवार (3 अक्टूबर) से फिर से खोलने की घोषणा की है। लेह ज़िले मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, दुकानें भी कल से फिर से खुलेंगी और इनका संचालन समय सुबह 10-00 बजे से शाम 6-00 बजे तक रहेगा। आदेश में कहा गया है, इन घंटों के दौरान ज़िले के भीतर छोटी यात्री बसों को भी चलने की अनुमति होगी।स्कूलों को फिर से खोलना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (BNSS 2023) की धारा 163 के अनुपालन के अधीन है।

साल के अंतराल के बाद भारत और चीन अक्टूबर के अंत तक सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर। पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध के बाद गंभीर तनाव में आए अपने संबंधों को फिर से सुधारने के प्रयासों के तहत, भारत और चीन पाँच साल के अंतराल के बाद इस महीने के अंत तक सीधी उड़ान सेवाएँ फिर से शुरू करेंगे। विदेश मंत्रालय की यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से इतर हुई बातचीत के एक म्हीने बाद आई है। 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद दोनों पक्षों के बीच उड़ान सेवाएँ निलंबित कर दी गई थीं। पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से चल रहे सीमा गतिरोध के मद्देनजर इन्हें बहाल नहीं किया गया था, जो पिछले साल अक्टूबर में समाप्त हुआ था। विदेश मंत्रालय ने कहा, इस साल की शुरुआत से ही, भारत और चीन के बीच संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने की दिशा में सरकार के प्रयास के तहत, दोनों देशों के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू करने और एक संशोधित हवाई सेवा समझौते पर तकनीकी स्तर की चर्चा कर रहे हैं।ऽ अब इस बात पर सहमति बन गई है कि भारत और चीन के निर्दिष्ट स्थानों को जोड़ने वाली सीधी हवाई सेवाएं अक्टूबर के अंत तक फिर से शुरू हो सकती हैं, जो सर्दियों के मौसम के कार्यक्रम के अनुसार और दोनों देशों के नामित वाहकों के वाणिज्यिक निर्णय और सभी परिचालन मानदंडों को पूरा करने के अधीन है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरणों का यह समझौता भारत और चीन के बीच लोगों के बीच संपर्क को और सुगम बनाएगा, जिससे द्विपक्षीय आदान-प्रदान को धीरे-धीरे सामान्य बनाने में मदद मिलेगी, विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि भारत और चीन अक्टूबर के अंत तक सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू करेंगे।

सीमाओं पर सेना पूरी तरह तैयार, उकसाने पर निर्णायक जवाबी कार्रवाई होगी: राजनाथ

भुज (गुजरात), 2 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का, चाहे वह अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हो या नियंत्रण रेखा पर, और भी आक्रामक तरीके से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि देश आतंकवाद और अन्य खतरों से अपनी रक्षा करना जानता है।

सिंह ने आगे कहा कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान के किसी भी आक्रमण का इतना कड़ा जवाब दिया जाएगा कि वह इतिहास और भूगोल दोनों बदल देगा। गुजरात के भुज में एक सैन्य अड्डे पर सैनिकों के साथ शस्त्र पूजा समारोह के दौरान बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने विवादित सीमा क्षेत्र में दुस्साहस के प्रति इस्लामाबाद को आगाह किया और कहा कि भारत सर

"कहा सर क्रीक में पाकिस्तान के किसी भी आक्रमण का कड़ा जवाब दिया जाएगा

क्रीक क्षेत्र के पास हाल के सभी सैन्य घटनाक्रमों पर कड़ी नज़र रख रहा है। उन्होंने कहा, आज़ादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक सीमा विवाद अनसुलझा है। भारत ने इसे बातचीत के ज़रिए सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन पाकिस्तान के इरादे साफ़ नहीं हैं। अगर वे अब कोई दुस्साहस करते हैं, तो जवाब इतना कड़ा होगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकते हैं। 1965 के युद्ध का ज़िक्र करते हुए, सिंह ने पाकिस्तान को भारतीय सेना की पिछली उपलब्धियों की याद दिलाई। उन्होंने कहा, 1965 में हमारी सेना लाहौर पहुँच गई थी। 2025 में उन्हें याद रखना होगा कि कराची जाने का एक सीधा रास्ता सर क्रीक से होकर गुज़रता है। सर क्रीक, कच्छ के दलदली रण में 96 किलोमीटर लंबा मुहाना, भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से एक क्षेत्रीय विवाद रहा है। भारत पाकिस्तान पर इस क्षेत्र का सैन्यीकरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाता है, खासकर इस संवेदनशील क्षेत्र के पास सैन्य बुनियादी ढाँचे के विस्तार की हालिया रिपोर्टों के बाद। राजनाथ ने कहा कि भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और सीमा पर सभी गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे सैनिक पूरी सतर्कता के साथ सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए - अगर उकसाया गया, तो जवाबी कार्रवाई में कोई संकोच नहीं किया जाएगा। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा 7 मई से 10 मई, 2025 तक शुरू की गई चार दिवसीय सैन्य कार्रवाई, ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी विस्तार से बात की। इस अभियान में पाकिस्तान नियंत्रित क्षेत्र में स्थित आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया था।

जम्मू-कश्मीर में शनिवार से तीन दिन तक बारिश और ऊँचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 2 अक्टूबर। एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में, जम्मू-कश्मीर में शनिवार शाम से तीन दिनों तक बारिश और ऊँचे इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी होने की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक मौसम परामर्श जारी किया है, जिसमें 4 अक्टूबर (शनिवार) से जम्मू-कश्मीर और आसपास के इलाकों में एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना जताई गई है।

श्रीनगर के रामबाग स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने अपने परामर्श में कहा है कि इस प्रणाली के कारण, विशेष रूप से केंद्र शासित प्रदेश के ऊँचे इलाकों में, व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा और बर्फबारी होने की संभावना है।

इस मौसम गतिविधि का चरम 5 अक्टूबर की रात और 7 अक्टूबर की सुबह के बीच रहने की उम्मीद है, परामर्श में कहा गया है।

इस सक्रिय मौसम प्रणाली के प्रभाव में, अनंतनाग-पहलगाम, कुलगाम, सिंथन दर्रा, शोपियां, पीर की गली, सोनमर्ग-ज़ोजिला, बांदीपोरा-राजदान दर्रा, गुलमर्ग और कुपवाड़ा-साधना दर्रा सहित कई ऊँचाई वाले क्षेत्रों में मध्यम से भारी बर्फबारी होने की संभावना है। मध्यम ऊँचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है, जबकि कश्मीर के मैदानी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है जम्मू संभाग में, कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा, गरज के साथ छींटे, बिजली, ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है, जिनमें 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से हवाएँ भी चल सकती हैं।

जावेद राणा ने जनजातीय मूल्यों के संरक्षण, संवर्द्धन और प्रसार हेतु सामूहिक प्रयासों का समर्थन किया

मेंढर, 02 अक्टूबर। जनजातीय कार्य मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि पीर पंजाल क्षेत्र की जनजातीय पहचान को परिभाषित करने वाले मूल्यों के संरक्षण, संवर्द्धन और प्रसार के लिए सामूहिक और निरंतर प्रयासों की तत्काल आवश्यकता है।

सागरा, मेंढर (पुंछ) में जनजातीय कार्य विभाग और जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक जीवंत जनजातीय मेले में बोलते हुए मंत्री ने जोर दिया कि जनजातीय विकास सांस्.तिक कटाव की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रगति और परंपरा को संतुलित करने वाले समेकित .ष्टिकोण का समर्थन किया और चेतावनी दी कि अनियंत्रित आधुनिक प्रभाव जनजातीय रीति-रिवाजों और नैतिक ढांचे को कमजोर कर सकते हैं, जो मूलतः सामुदायिक और समावेशी हैं।

मंत्री ने आश्वस्त किया कि उमर अब्दुल्ला सरकार का संकल्प है कि ऐसा विकास मॉडल अपनाया जाएगा

जो समावेशी हो, जनजातीय परंपराओं का सम्मान करे और एक मजबूत तथा आत्मनिर्भर जनजातीय समाज का निर्माण करे।

उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मेले की सराहना करते हुए कहा कि यह लोगों को सम्मानजनक तरीके से जोड़ने और विकास की दिशा में काम करने का अर्थपूर्ण कदम है। इस मेले में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और यह जनजातीय जीवन, रीति-रिवाजों और ज्ञान का उत्सव बन गया। मेले में परंपरागत जनजातीय व्यंजन प्रदर्शित किए गए जो स्थानीय खाद्य-विविधता को दर्शाते हैं। साथ ही, स्थानीय औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे पता चला कि परंपरागत ज्ञान आज भी ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मेले के दौरान एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया जहां जनता को परामर्श और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। यह आयोजन न केवल सांस्.तिक निरंतरता पर बल देता है बल्कि जनजातीय समाज की वास्तविकताओं से जुड़े विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस अवसर पर जिला विकास परिषद पुंछ की अध्यक्षा तजीम अख्तर, जिला उपायुक्त पुंछ अशोक कुमार शर्मा, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

असत्य पर सत्य की जीत

जम्मू के गांधी नगर स्थित दशहरा ग्राउंड में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा बड़ी धूमधाम से मनाया गया। चित्र में रावण, मेघनाथ व कुमकर्ण के पुतले जलते हुए।

खाते-पीते पौधे

जब पौधों को जमीन से पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन नहीं मिलता तो वे नॉनवेज खाना शुरू कर देते हैं। सुनकर अजीब सा लग रहा है ना? पर ये सच है। दुनिया भर में इस तरह की करीब 600 पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं। ये पौधे कार्निवोरस यानी कीटभक्षी कहलाते हैं। कीटों को खाकर ये पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। चलो, आज इन्हीं के बारे में जानते हैं...

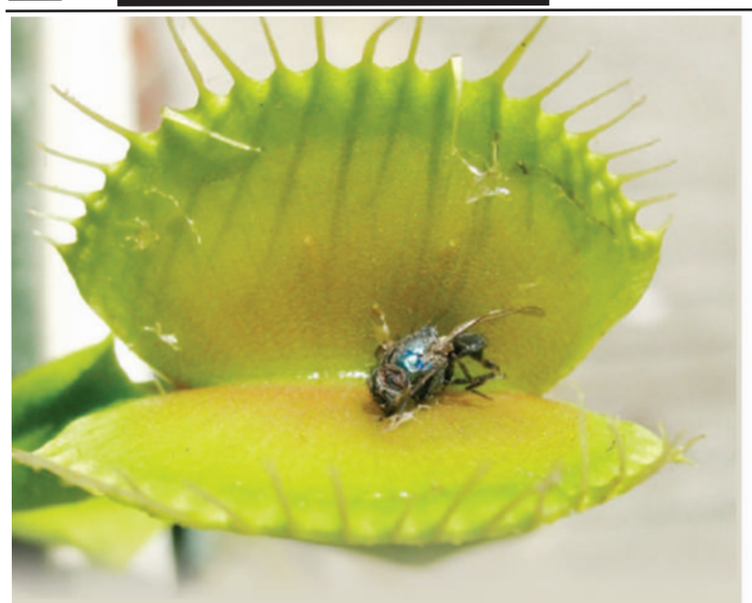

वीनस फ्लाईट्रैप

यह पौधा अमेरिका में पाया जाता है। यह कीटों को खा जाता है। इस पौधे को देखोगे तो लगेगा जैसे दो फ्लैप लगे हैं। ये फ्लैप खुले होते हैं। इन फ्लैप्स पर बाल होते हैं। जैसे ही कीट इस पौधे के पास आता है तो बाल उसे खींचकर फ्लैप के अंदर डाल देते हैं और फिर फ्लैप बंद हो जाते हैं। जब कीड़ा पूरा खा लिया जाता है, तब पौधे के फ्लैप फिर से खुल जाते हैं। इस पौधे के सेंसर इतने तेज होते हैं कि अगर किसी पेंसिल की नोक या अन्य चीज से तुम फ्लैप को छुओगे तो भी फ्लैप बंद नहीं होंगे, पर हां, एक कीट के स्पर्श करते ही ये बंद हो जाते हैं।

ड्रोसेरा

इस पौधे में चारों ओर पत्तियां होती हैं। हर पत्ती पर बाल होते हैं। इस पौधे से एक चमकीला पदार्थ निकलता रहता है। कीड़ा इसे देखकर सम्मोहित होता है और पौधे के पास आता है। इसके बाद पौधे के ये बालनुमा रेशे कीड़े को पकड़कर नीचे की ओर ले जाते हैं और वहां पौधे द्वारा कीट को खा लिया जाता है। यह पौधा मुख्य रूप से पानी वाले क्षेत्र के आसपास पाया जाता है।

ब्लैडरवर्ट

इसके पत्ते काफी बारीक होते हैं। ज्यादातर यह पौधा पानी में तैरता है। इसकी कुछ पत्तियां फूलकर एक थैली के आकार की हो जाती हैं। इस थैली के मुंह पर तीन बाल होते हैं, जो पानी में तैरते कीड़े को पकड़कर थैली के अंदर डाल देते हैं। जैसे ही कीड़ा अंदर गिरता है तो थैली का मुंह अपने आप बंद हो जाता है और कीड़ा वहां मर जाता है। इसके बाद पौधा इस कीड़े को खा जाता है। जब कीड़ा खत्म हो जाता है तो थैली का मुंह फिर से खुल जाता है अगले कीड़े की तलाश में।

नेपेनथीस

नेपेनथीस को एशियन पिचर प्लांट्स भी कहा जाता है। ये समुद्र के अंदर पाए जाते हैं और ठंडे पहाड़ी प्रदेशों में भी मिलते हैं। इसकी पत्तियों में एक विशेष तरह का तरल पदार्थ होता है, जिससे इसमें गिरने वाला कीट चिपक जाता है और फिर यह उस कीट को खा जाता है। इस पौधे के पत्तों का ऊपरी हिस्सा सुराही के आकार का होता है, और मुंह पर एक ढक्कन रहता है। सुराही की परिधि से एक तरल पदार्थ निकलता है, जो कीट को आकर्षित करता है। जैसे ही कीट इस पर बैठता है तो वो अंदर फिसल जाता है और वहां मर जाता है। सुराही के अंदर के बैक्टीरिया उसे सडमते हैं और तब वह पौधे के द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है।

ऐसा होता है सिंहमुख बंदर

सिंहमुख बंदर को सामान्यतः स्याह-बंदर कहते हैं...। यह 20-24 इंच लंबा होता है, जिसमें 10-15 इंच की पूंछ होती है। मादा नर से छोटी होती है। पूरे शरीर पर गहरे भूरे बाल होते हैं। चेहरे के आसपास शेर के अयाल की तरह लंबे बाल एवं पूंछ के छोर पर घने लंबे बाल का गुच्छा होने से इसे इंग्लिश में स्न्नश्च् ह्लद्बद्यद्गस्र स्रूड्डद्मद्ग4 कहते हैं। यह पश्चिम में कर्नाटक के उत्तरी भाग से केरल तथा कन्याकुमारी तक पाया जाता है। यह घने जंगलों में 12-20 के समूह में रहते हैं। इनकी आवाज मनुष्य की खांसी की आवाज से मिलती है। घने जंगलों के नष्ट होने एवं अवैध शिकार के कारण यह दुर्लभ हो चले हैं। अपने बिछुड़े साथी को बुलाने के लिए यह भारी आवाज में कबूतर की तरह गूं-गूं करते हैं। एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए यह पेड़ों से उतरकर जमीन पर चलते हुए जाते हैं। इनके नवजात शिशु सितंबर माह में अपनी माता के उदर से चिपके दिखाई देते हैं।

कौवे भी करते हैं मनुष्यों जैसे इशारे

वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया है कि कौवे भी मनुष्यों की तरह इशारे करते हैं। जैसे मनुष्य चीजों को दिखाने के लिए इशारे करते हैं ऐसे ही कौवे अपने पंखों को हिलाकर इशारे करते हैं। सालों पहले वैज्ञानिकों ने यह पता लगा लिया था कि रावेन प्रजाति के कौवे अन्य पक्षियों के मुकाबले बहुत ज्यादा तेज दिमाग के होते हैं। शोध के लेखक सिमोन पिका ने कहा कि लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है जब रावेन को मनुष्यों की तरह इशारे करते हुए देखा गया है। ऐसी बातें जंगली जीवों में विरले ही नजर आती हैं। सिमोन पिका जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फार ओरनिथोलाजी में जीवविज्ञानी हैं। लाइव साईंस ने पिका के हवाले से लिखा है कि रावेन को मनुष्यों की तरह इशारे करते हुए देखने के लिए उनके दल ने जंगलों की खूब खाक छानी है। उन्होंने कहा कि अब वह अपने दल के साथ रावेन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य इशारों की जांच पड़ताल करेंगे। फिलहाल उनके शोध के अनुसार रावेन भी चीजों की ओर इंगित करने के लिए मानवों की तरह इशारे करते हैं।

ऐसे भी मरता है पेड़

अगर हम किसी पेड़ को काट देते हैं तो वह मर जाता है, यह तो तुम सभी जानते हो। मगर कभी-कभी जब तुम खेलते हुए किसी पेड़ पर ड्राइंग करने लगते हो या फिर उस पर अपना नाम लिखते हो तो उस समय पेड़ को काफी दर्द होता है। दरअसल, ऐसा करके तुम पेड़ का महत्वपूर्ण टिश्यू, जिसे फ्लोअम कहते हैं, उसे काट देते हो। इसी टिश्यू की मदद से पेड़ अपनी पत्तियों और अन्य भागों तक भोजन पहुंचाता है। जब भी कोई उनके तने को रगड़ता है तो इस टिश्यू के नष्ट हो जाने से पेड़ के दूसरे भागों में खाने की सप्लाई रुक जाती है। इससे पेड़ की जड़ सूखना आरंभ हो जाती है। जब जड़ सूख जाती है तो वह पेड़ के अन्य भागों को मिट्टी से प्राप्त खनिज व पानी की सप्लाई नहीं कर पाती। पत्तियों को जब पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता तो वे भोजन नहीं बना पातीं और धीरे-धीरे पेड़ सूख जाता है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ इंसान ही पेड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। दरअसल कई बार जानवर भी ऐसा करते हैं। भूखे खरगोश पेड़ को छीलते हैं। इसी तरह जब हिरण खुद को पेड़ से रगड़ता है तो भी ऐसा ही होता है।

लंबा पेड़

दुनिया के सबसे लंबे पेड़ अमेरिका के कैलिफोर्निया में हैं। इन्हें रेडवुड्स कहा जाता है। ये पेड़ बड़ी आसानी से 91 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। रेडवुड्स पेड़ों में से एक है हाईपीरियन ड्वार्फ। इसे साल 2006 में ढूंढ़ा गया था। इस पेड़ की ऊंचाई करीब 115 मीटर है। तब से इसे विश्व का सबसे लंबा पेड़ माना जाता है। दूसरे लंबे रेडवुड्स में हेलिओस है, जो 114 मीटर लंबा है, इसके बाद इकेरस है जो 113 मीटर लंबा है।

सबसे बड़ा पेड़

सबसे बड़ा पेड़ है जाइंट सिकोउआ। यह कैलिफोर्निया के सिकोउआ नेशनल पार्क में है। इसे जनरल शेरमन भी कहा जाता है। इस पेड़ का व्यास 52,500 क्यूबिक फीट है। ऐसा माना जाता है कि यह पेड़ तकरीबन 2,000 साल पुराना है। इसकी लंबाई 83 मीटर है।

ये भी हैं खतरनाक

सेफालोटस दक्षिण-पश्चिम आस्ट्रेलिया में पाया जाता है। इसे आस्ट्रेलियन पिचर प्लांट के नाम से भी जाना जाता है। यह काफी कीटों को खा जाता है। बिबलिस को रेनबो प्लांट भी कहा जाता है। यह भी काफी खतरनाक कीटभक्षी पौधों में से एक है।

बूढ़ा पेड़ ये है

दुनिया का सबसे बूढ़ा पेड़ है मेथूसीलाह। इसकी उम्र है 4,845 साल। यह कैलिफोर्निया में है। यह ब्रिस्टलकोन पाइन है। इसके बाद नंबर आता है जोरेस्ट्रियन सर्व का। इसकी उम्र 4,000 साल बताई जाती है और यह ईरान में है।

‘न्यूट्रीनो’ की मदद से खुलेगा ब्रह्मांड का रहस्य

खगोल वैज्ञानिकों का दावा है कि एक नये अध्ययन से परमाणु के सूक्ष्म हिस्से ‘न्यूट्रीनो’ को मापने में मदद मिलेगी। परमाणु के यह सूक्ष्म हिस्से ब्रह्मांड के सबसे हल्के कण हैं। करीब 200 रातों तक आकाश गंगा का अध्ययन करने और सैकड़ों गणनायें करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय दल का कहना है कि इस अध्ययन से न्यूट्रीनो के भार का पता करने में सहायता मिलेगी और यह खोज जबरदस्त प्रगति साबित होगी। ‘फिजीकल रिव्यू द रेपिड कम्यूनिकेशन’ में प्रकाशित इस अनुसंधान में कहा गया है कि न्यूट्रीनो के भार को मापने के लिये ब्रह्मांड का अध्ययन कर की गई गणनायें प्रयोगशाला की गणनाओं से ज्यादा सही साबित होती हैं। ब्रह्मांड के इस सबसे हल्के कण को भार रहित भी माना जाता है। शोध का नेतृत्व करने वाले डॉ सिग्ने रीमर सोरेनसेन ने कहा कि इस नवीन खोज से शोधकर्ताओं को न्यूट्रीनो के भार के बारे में सही ज्ञान मिलेगा जिससे ब्रह्मांड के बारे में नई समझ पैदा हो सके और उसके बारे में कई रहस्य खुल सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीजीएम साइंस कॉलेज में सेवा पर्व अभियान का समापन, गांधी जी पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म का विशेष प्रदर्शन

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू की सेमिनार/ वर्कशॉप/ सिम्पोज़ियम समिति ने एनसीसी और एनएसएस इकाइयों के सहयोग से सेवा पर्व अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया। इस अवसर पर महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रपिता की जयंती पर उनके सत्य, अहिंसा और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों से विद्यार्थियों को प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गांधी जी के सिद्धांत आज भी समाज निर्माण और वर्तमान चुनौतियों के समाधान में अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन मूल्यों को अपने जीवन और करियर में आत्मसात करें।

फिल्म प्रदर्शन की निगरानी डॉ. अशाक हुसैन, एसोसिएट प्रोफेसर एवं एसोसिएट डीन, डीएसडब्ल्यू, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में नैतिक और चारित्रिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।

यह प्रदर्शन गांधी जी को श्रद्धांजलि होने के साथ-साथ विद्यार्थियों को राष्ट्र के भावी नेता होने की जिम्मेदारी का स्मरण भी कराता है। कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, एएनओ और एनएसएसपीओ ने फिल्म के बाद सार्थक चर्चाओं में हिस्सा लिया। समापन अवसर पर सभी ने सत्य, शांति और मानवता की सेवा के आदर्शों को अपनाने की शपथ ली।

सकीना इत्तू ने कुलगाम के लंगखुल नंदीमार्ग में अग्निप्रभावित परिवारों से की मुलाकात

कुलगाम 02 अक्टूबर। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इतू कुलगाम जिले के लंगखुल नंदीमार्ग क्षेत्र में पहुंचीं और अग्निप्रभावित परिवारों में राहत चेक वितरित किए।

दौरे के दौरान मंत्री ने प्रभावित परिवारों से बातचीत की, उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की और हर संभव सरकारी मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता के तौर पर चेक वितरित किए। मंत्री ने कहा कि प्रशासन को त्वरित पुनर्वास और समयबद्ध राहत उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रभावित परिवार जल्द से जल्द अपनी जिंदगी फिर से बसाने में सक्षम हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक सहायता हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत सहायता भी शामिल होगी। उन्होंने दोहराया कि जनता, विशेषकर अचानक आपदाओं का सामना कर रहे लोगों का कल्याण् उमर अब्दुल्ला सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुबारक मंडी में गांधी जयंती पर भव्य कार्यक्रम, डिव कॉम रहे मुख्य अतिथि

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। गांधी ग्लोबल फैमिली (जीजीएफ) जम्मू-कश्मीर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मुबारक मंडी हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के ऐतिहासिक दीवान-ए-आम में मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय आयुक्त जम्मू, रमेश कुमार ने की और महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में रमेश कुमार ने विद्यार्थियों और युवाओं से गांधीवादी मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा गांधी जी के दर्शन का मूल आधार है, जो आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में और भी प्रासंगिक है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, समान विकास और स्वच्छता को गांधी जी की प्रेरणाओं से जोड़ते हुए सभी को व्यक्तिगत और सामाजिक स्वच्छता को नागरिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने पर बल दिया।

गांधी ग्लोबल फैमिली जेके अध्यक्ष डॉ. एस. पी. वर्मा ने श्रीनगर से अपना संदेश भेजा। उन्होंने वैश्विक भाईचारे और शांति को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि सादगी, अहिंसा, सत्य, आत्मनिर्भरता और करुणा जैसे गांधीवादी मूल्य आज की कई चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करते हैं। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस 2025 भी मनाया गया। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाषणों और प्रस्तुतियों के माध्यम से महात्मा गांधी के योगदानों को रेखांकित किया और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग, विद्यार्थी, शिक्षक, वरिष्ठ नागरिक और गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें मानवता सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को रमेश कुमार ने सम्मानित किया।

नशे के खिलाफ अभियान, बड़गाम में महिंद्रा थार सवार तस्कर पकड़ा गया

जम्मू,, 2 अक्टूबर (हि.स.)। नशे के खिलाफ जारी अभियान के तहत बड़गाम पुलिस ने चडूरा में एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से हेरोइन जैसी प्रतिबंधित दवा बरामद की। साथ ही अपराध में प्रयुक्त वाहन भी जब्त किया गया।

चडूरा पुलिस स्टेशन की एक टीम, पीएसआई गोवर्धन सिंह के नेतृत्व में, डरबुग क्रॉसिंग पर चेकपोस्ट स्थापित कर संदिग्ध महिंद्रा थार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर ड्राइवर ने भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से नशा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद अशरफ नाथ सध्व मोहम्मद इस्माइल नाथ, निवासी पारन्यू, वजीर बाग, बुदगाम के रूप में हुई। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच जारी है।

बुदगाम पुलिस ने जनता से अपील की है कि नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग दें और इस बात को दोहराया कि नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

शोपियां में सेवा पर्व और गांधी जयंती का भव्य समापन

जम्मू,, 2 अक्टूबर (हि.स.)। जिला प्रशासन शोपियां ने आज गांधी जयंती और सेवा पर्व के समापन के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में समाज सेवा, जागरूकता और सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखला के माध्यम से महात्मा गांधी के आदर्शों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ड्रग डि-एडिक्शन जागरूकता सत्र से हुई जिसमें विशेषज्ञों ने नशे के दुष्प्रभाव और इसे रोकने में सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। वक्ताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया और परिवार एवं समुदाय से सहयोग बढ़ाने की अपील की।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं, जिनमें छात्रों और स्थानीय कलाकारों ने देशभक्ति और पारंपरिक नृत्य-गीतों के माध्यम से सत्य, शांति और अहिंसा के गांधीवादी मूल्यों को प्रदर्शित किया।

जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नागरिक समाज के सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला उपायुक्त शोपियां ने सभी विभागों और संगठनों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सेवा पर्व समाज के प्रति सेवा और गांधीजी द्वारा सिखाए गए ईमानदारी और सादगी के मूल्यों को दर्शाता है।कार्यक्रम का समापन स्वच्छता, एकता और नशा मुक्त समाज के संकल्प के साथ हुआ, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों के अनुरूप है।

विजयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी जयंती धूमधाम से मनाई

जम्मू,, 2 अक्टूबर (हि.स.)। गांधी जयंती के अवसर पर विजयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष बबल गुप्ता ने की। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पमालाएँ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

चोरों ने दोबारा पेयजल पाइप चोरी का प्रयास किया

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। कुपवाड़ा के वारसन गुजरां क्षेत्र में एक बार फिर चोरों ने पेयजल पाइप चोरी करने का प्रयास किया हालांकि इस बार उनकी यह कोशिश नाकाम रही।

जानकारी के अनुसार, इससे पहले भी इस इलाके से चोर पेयजल पाइप उखाड़कर ले गए थे, जिसके चलते स्थानीय लोगों को कई दिनों तक पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ा था।

उस समय जब इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, तब जाकर विभाग हरकत में आया और पाइपलाइन की मरम्मत कर लोगों को पानी की सुविधा बहाल की गई।

अब दोबारा हुई इस घटना से स्थानीय लोग चिंतित हो उठे हैं। ग्रामीणों ने विभाग से पाइपलाइन की मरम्मत कर जल्द पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन से इलाके में रात्रि गश्त बढ़ाने की अपील की है ताकि चोर दोबारा इस तरह की हरकत को अंजाम न दे सकें।

मेगा मैराथन के साथ हुआ बसोहली उत्सव 2025 का शानदार समापन

कठुआ, 02 अक्टूबर (हि.स.)। जीवंत बसोहली उत्सव 2025 का गुरूवार को अटल सेतु से बसोहली रामलीला मैदान तक आयोजित एक भव्य मैराथन के साथ शानदार समापन हुआ, जिसमें 2 किमी, 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी की श्रेणियों में लगभग 400 एथलीटों ने भाग लिया। बसोहली विधायक दर्शन सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, उनके साथ कठुआ उपायुक्त राजेश शर्मा और एसीबी निदेशक शक्ति पाठक भी उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उत्सव के माध्यम से फिटनेस, युवा जुड़ाव और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों की सराहना की। अपने संबोधन में विधायक दर्शन सिंह ने मैराथन को बसोहली उत्सव का एक शानदार समापन बताया, जो शहर की सांस्कृतिक, खेल और पर्यटन गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरती स्थिति को दर्शाता है।

उन्होंने युवाओं से अपनी विरासत पर गर्व करने और ऐसे उत्सवों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि बसोहली उत्सव न केवल कला, संस्कृति और परंपरा का उत्सव है, बल्कि खेल कौशल, फिटनेस और सामुदायिक भागीदारी को प्रदर्शित करने का एक मंच भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आयोजन क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर बसोहली की पहचान को मजबूत करेंगे और पर्यटन को बढ़ावा देंगे। एसीबी निदेशक शक्ति पाठक ने आयोजकों, प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि खेलों को सांस्कृतिक उत्सवों के साथ मिलाने से बसोहली उत्सव समाज के सभी वर्गों के लिए अधिक जीवंत, समावेशी और आकर्षक बन गया है। इस आयोजन में कई रोमांचक मुकाबले हुए, जिसमें उधमपुर के रवि दास ने 21 किलोमीटर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, पठानकोट के अमित कुमार और धार कलां के संजय कुमार ने दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। जेएनवी बसोहली की दीपाक्षी को भी विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। 10 किलोमीटर दौड़ में, जम्मू के प्रकाश चंद्र और जम्मू की शमशाद बानो ने लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार जीते। अन्य श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जबकि 2 किलोमीटर और 5 किलोमीटर दौड़ के सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में पदक प्रदान किए गए। समापन पर डीसी कठुआ ने स्थानीय प्रशासन, आयोजकों और बसोहली के लोगों को उनकी पूर्ण भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया और बसोहली उत्सव 2025 के सुचारू और सफल समापन को सुनिश्चित करने में उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर के मार्गदर्शन और नेतृत्व की सराहना की।

सांबा जिला न्यायालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा – 2025 अभियान आयोजित

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। स्वच्छता और सतत जीवन शैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का उदाहरण पेश करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सांबा ने जम्मू-कश्मीर विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में स्वच्छता ही सेवा – 2025 कार्यक्रम का आयोजन जिला न्यायालय परिसर, सांबा में किया।

यह कार्यक्रम डीएलएसए सांबा के चेयरमैन रवींद्र नाथ वत्तल और सचिव श्री संदीप सिंह सेन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त मुंसिफ सांबा कृतिका सेठी, डीएलएसए सांबा के अधिकारी-कर्मचारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल , पैनल वकील, पैरा लीगल वॉलंटियर्स तथा नगरपालिका सांबा के अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला न्यायालय परिसर सांबा में स्वच्छता अभियान से हुई, जहां सभी प्रतिभागियों ने मिलकर सफाई कर स्वच्छ और हरित वातावरण का संदेश दिया। झाड़ू उठाकर प्रतिभागियों ने परिसर की साफ-सफाई कर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक गुण ही नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका है, जो स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य की गारंटी देता है।

आयोजन के दौरान यह भी संकल्प लिया गया कि सभी प्रतिभागी अपने आसपास की सफाई में निरंतर रुचि लेंगे और इसे अपनी जिम्मेदारी बनाएंगे।

पुलवामा में 40 साल बाद भी मातृत्व अस्पताल की मांग अधूरी

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। पुलवामा जिले का दर्जा मिलने के 40 वर्ष बाद भी पुलवामा के लोगों की मातृत्व अस्पताल की मांग पूरी नहीं हो पाई है। स्थानीय निवासियों ने मीडिया से बातचीत में बताया कि जिला अस्पताल पुलवामा में मरीजों का दबाव काफी बढ़ गया है, प्रतिदिन लगभग 2500 से 3000 मरीज अस्पताल का रुख करते हैं।

लोगों का कहना है कि सात वर्ष पूर्व सरकार ने मातृत्व अस्पताल की मांग को देखते हुए जमीन का चयन भी किया था, लेकिन किसी अज्ञात कारण से इस परियोजना को अधर में ही छोड़ दिया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि कोविड अस्पताल की इमारत पर्याप्त जगह वाली है और उसे मातृत्व अस्पताल में तब्दील किया जाना चाहिए।

इस बीच पुलवामा के विधायक वहीद-उर-रेहमान पारा ने भी सरकार से जिला मुख्यालय पर मातृत्व अस्पताल स्थापित करने की मांग दोहराई है, ताकि स्थानीय महिलाओं को प्रसूति सेवाओं के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

महात्मा गांधी की 156वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह से मनाई

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू नॉर्थ के पलौड़ा क्षेत्र में महात्मा गांधी की 156वीं जयंती श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाई गई। यह कार्यक्रम कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जम्मू ग्रामीण के इंचार्ज ज़िला अध्यक्ष एवं जेकेपीसीसी के उपाध्यक्ष हरी सिंह चिब के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने और सर्वधर्म प्रार्थना सभा से हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और सत्य व अहिंसा के उनके सार्वभौमिक संदेश को याद किया। इस मौके पर प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं में सोम नाथ शर्मा

(अध्यक्ष बीसीसी पट्टा पालौडा), तरुण वैद, विरेंद्र मेहता, मदन सिंह चिब, जंग बहादुर सिंह, कमल सिंह, काका राम, बल शर्मा (अध्यक्ष रूपनगर वेलफेयर कमेटी) सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरी सिंह चिब ने कहा कि गांधी जी की शिक्षाएं आज के कठिन समय में भी मार्गदर्शक प्रकाश की तरह हैं। उन्होंने कहा महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सांप्रदायिक सौहार्द के आदर्श न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि समाज में एकता और शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक भी हैं। हमें सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन और समानता को बढ़ावा देने के लिए बापू के दिखाए मार्ग पर चलना होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे गांधी जी के जीवन का अध्ययन करें और उनके सिद्धांतों को अपने दैनिक आचरण में अपनाएँ।

जिला पुलिस पुंछ ने डीपीएल में चलाया स्वच्छता पखवाड़ा अभियान

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। स्वच्छ भारत अभियान के तहत जारी स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत जिला पुलिस पुंछ की ओर से आज डिस्ट्रिक्ट पुलिस लाइन्स पुंछ में एक व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।

इस अभियान में एसएसपी पुंछ शफकत हुसैन सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर परिसर, सार्वजनिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर अपने संबोधन में एसएसपी शफकत हुसैन ने कहा कि स्वच्छता जनस्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और नागरिक जिम्मेदारी का मूल आधार है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपील की कि वे न केवल स्वयं स्वच्छता बनाए रखें, बल्कि ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में जनता को भी जागरूक करें ताकि सफाई और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया जा सके।यह पहल न केवल स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में एक कदम है, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी और सामुदायिक भागीदारी की भावना को भी मजबूत करती है।

एसएमवीडीयू में एनसीसी व एनएसएस इकाइयों ने लगाया रक्तदान शिविर

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू), कटरा की एनसीसी और एनएसएस इकाइयों ने जम्मू-कश्मीर थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस जीवनदायी पहल में छात्रों, स्टाफ और स्थानीय समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का समन्वय डॉ. वरुण दत्ता, एनसीसी कोऑर्डिनेटर, एसएमवीडीयू और डॉ. राजीव कुमार, एनएसएस कोऑर्डिनेटर, एसएमवीडीयू ने किया, जबकि मेडिकल एड सेंटर, एसएमवीडीयू से डॉ. पल्लव शर्मा ने सहयोग दिया। शिविर का चिकित्सकीय पर्यवेक्षण जीएमसी जम्मू से डॉ. नीति ने किया।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने उदारतापूर्वक रक्तदान किया, जिससे करुणा, एकजुटता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना प्रकट हुई। विशेष रूप से एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों ने दानदाताओं को प्रेरित करने, पंजीकरण प्रक्रिया को संभालने और आवश्यक व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से थैलेसीमिया से पीड़ित उन मरीजों को बड़ा सहारा मिलेगा, जिन्हें बार-बार रक्त आधान की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर जेके थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी, जम्मू के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर सेठी ने कहा कि नियमित रक्तदान शिविर थैलेसीमिया रोगियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने समुदाय से न केवल रक्तदान के लिए बल्कि जेनेटिक काउंसलिंग और उचित प्रसवपूर्व देखभाल के माध्यम से इस बीमारी की रोकथाम के लिए भी आगे आने की अपील की।

एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रगति कुमार और रजिस्ट्रार अजय कुमार शर्मा ने आयोजन टीम की सराहना की।

सेवा पर्व-बसोहली में व्यापक स्वच्छता अभियान

कठुआ, 02 अक्टूबर (हि.स.)। जारी सेवा पर्व समारोह के अंतर्गत गुरूवार को बसोहली में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दिन की शुरुआत प्रतिष्ठित अटल सेतु पर स्वच्छता अभियान के साथ हुई, जिसका नेतृत्व कठुआ उपायुक्त राजेश शर्मा ने किया। इस अभियान में बसोहली के अतिरिक्त उपायुक्त पंकज भगोत्रा, बीबीडीए के सीईओ बाबू राम, तहसीलदार सागर विश्व कर्मा, सीडीपीओ राकेश कुमार, पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता दीपक कोहली, पीएचई के सहायक अभियंता योगेश शर्मा के अलावा विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हुए। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी इस अभियान में शामिल हुए और स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी का एक सशक्त संदेश दिया। उपायुक्त राजेश शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वच्छता पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी से न केवल विशेष अभियानों के दौरान, बल्कि इसे एक दैनिक अभ्यास के रूप में भी स्वच्छता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान का आयोजन

जम्मू, 2 अक्टूबर (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में 17 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक स्वच्छता ही सेवा-2025 पखवाड़ा बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ मनाया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में जागरूकता व स्वच्छता से जुड़ी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान का नेतृत्व कुलपति प्रो. संजीव जैन ने किया, जिन्होंने कई प्रमुख कार्यक्रमों में स्वयं भाग लेकर छात्रों और कर्मचारियों को प्रेरित किया। उन्होंने पौधारोपण कर सतत भविष्य की प्रतीकात्मक शुरुआत की और 3आर सेंटर का उद्घाटन किया, जहां रीसाइकल सामग्री से बने उत्पाद प्रदर्शित किए गए। विशेष आकर्षण रहा छात्रों और शिक्षकों द्वारा अपशिष्ट सामग्री से बनाए गए पर्स, शोपीस, वॉल हैंगिंग और अन्य वस्तुओं का प्रदर्शन। समापन दिवस पर कुलपति ने सफाई मित्रों को

स्वच्छता किट वितरित कर उनके योगदान की सराहना की और सुरक्षित कार्य के लिए प्रोत्साहित किया।

पखवाड़े में शपथ ग्रहण समारोह, जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, निबंध एवं स्लोगन लेखन, पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता, वर्मी कम्पोस्टिंग कार्यशाला और सतत फैशन शो जैसी विविध गतिविधियां शामिल रहीं। छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता अभियान, कचरा पृथक्करण, हॉस्टल गलियारों की सफाई और पर्यावरण अनुकूल प्रस्ताव तैयार करने में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. ऋचा कोठारी (नोडल अधिकारी) और प्रो. यशवंत सिंह (रजिस्ट्रार) ने किया। प्रो. दीपक पठानिया, प्रो. रितु बक्शी सहित अनेक प्राध्यापकों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने मिलकर इसे सफल बनाया। कुलपति प्रो. जैन ने इसे गांधीजी के स्वावलंबन और स्वच्छता दर्शन का जीवंत उदाहरण बताया। समापन गांधी जयंती पर हुआ, जिसके साथ ही विश्वविद्यालय ने स्वच्छता, स्थिरता और गांधीवादी मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संपादकीय

डेंगू को हल्के में न लें

यह एक आम बात है कि मानसून का मौसम खत्म होते ही डेंगू बुखार का खतरा मंडराने लगता है। यह एक मौसमी समस्या बन गई है क्योंकि साल के इस समय में इस बुखार के कई मामले देखने को मिलते हैं। यह कहा जा सकता है कि यह आम बीमारी लोगों की समझ से कहीं ज़्यादा खतरनाक है क्योंकि अगर इसे गंभीरता से नहीं लिया गया तो इससे जान जाने का खतरा भी बढ़ जाता है। साल का यह समय मच्छरों के प्रजनन के लिए आदर्श होता है और यही कारण है कि डेंगू का प्रकोप लगातार, व्यापक और गंभीर होता जा रहा है। इन तथ्यों को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि इस बीमारी को मामूली समझना बंद करने का समय आ गया है और समय की मांग है कि इसे एक गंभीर जन स्वास्थ्य जोखिम के रूप में पहचाना जाए क्योंकि एक बात जो ध्यान में रखनी चाहिए वह यह है कि इस वेक्टर जनित बीमारी का अभी तक कोई इलाज उपलब्ध नहीं है। इस संदर्भ में, छ्व×च अ अभी डेंगू से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि मंगलवार को 62 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं, जिससे वर्ष 2025 के लिए संचयी संख्या 1105 हो गई है। कथित तौर पर, मंगलवार को कुल 408 परीक्षण किए गए, जिनमें से 40 पुरुष और 22 महिलाएं पॉजिटिव पाई गईं। नए मामलों में, 18 वर्ष से कम उम्र के 9 बच्चे थे, जबकि 53 वयस्क थे। जिलेवार, जम्मू में 27 नए मामलों के साथ सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई, जिससे इसकी कुल संख्या 445 हो गई। कठुआ में 26 नए मामले सामने आए, जिससे इसकी संचयी संख्या 332 हो गई। सांबा में 6 नए संक्रमण की सूचना मिली, जबकि उधमपुर और रियासी में एक-एक मामला सामने आया। अन्य राज्यों से भी एक मामले का पता चला। डेंगू के बढ़ते मामलों को, विशेष रूप से जम्मू प्रांत में, बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए क्योंकि ऐतिहासिक रूप से इस बीमारी को निर्दयी माना जाता था क्योंकि इसने कई लोगों की जान ले ली है। एक बात जो हितधारकों को हमेशा याद रखनी चाहिए, वह यह है कि जब तक कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है, तब तक बचाव ही सुरक्षित रहने का एकमात्र तरीका है। सुरक्षित रहने का सबसे अच्छा तरीका मच्छरों को पनपने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान न करना है, क्योंकि डेंगू मच्छरों के काटने से फैलता है। इस छोटे से प्रयास से, कोई भी व्यक्ति स्वयं और पूरे समुदाय की रक्षा कर सकता है।

डिजिटल इंडिया ने महिलाओं के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव लाया

आर्थिक स्वतंत्रता भी अब महिलाओं की शक्ति का दूसरा नाम बन चुकी है। मोदी सरकार के प्रयासों से 'स्टैंड अप इंडिया' और 'मुद्रा योजना' ने लाखों महिला उद्यमियों को कारोबार के लिए वित्तीय सहारा दिया, जबकि 'लाखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' योजना ने ग्रामीण महिलाओं को तकनीक और स्वरोज़गार से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी भारत की नई पहचान बना दिया है। मुद्रा योजना में महिलाओं की हिस्सेदारी 68% है और 2016 से 2025 के बीच प्रति महिला औसत ऋण 62,679 रुपये तक पहुँचा। स्टैंड-अप इंडिया में 80% से अधिक ऋण महिलाओं को मिले। उत्तर प्रदेश में मनरेगा में उनकी भागीदारी 35% से बढ़कर 45.05% और श्रम-बल में 14% से बढ़कर 36% हुई। वाराणसी की 1.38 लाख ग्रामीण महिलाएँ स्व-सहायता समूहों से आत्मनिर्भर बनीं, जिनमें कई ड्रोन पायलटिंग, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

भारत की आधी आबादी, जिसे लंबे समय तक घर की चौखट और सामाजिक परंपराओं में सीमित माना जाता था, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है।

बीते दशक में तस्वीर पूरी तरह बदली है- ऐसे कानून बने जिन्होंने महिलाओं को बराबरी और गरिमा का अधिकार दिया और ऐसी योजनाएँ आईं जिन्होंने मातृत्व को सुरक्षित कर बेटियों के सपनों को पंख दिए। यही वजह है कि आज नारी शक्ति केवल वोट नहीं, अब राष्ट्र की आवाज़ है। इसी यात्रा में साल 2023 का 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' स्त्री प्रतिनिधित्व को नई ऊँचाई देने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में अंकित हो गया है। इसके तहत लोकसभा और विधानसभाओं की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा में स्त्री शक्ति को प्रतिष्ठित करने का है।

मोदी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए 'मिशन शक्ति' की शुरुआत की। इसके अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर, 24म7 महिला हेल्पलाइन और डिजिटल शिकायत पोर्टल जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। हिंसा झेलने वाली महिलाएँ अब कानूनी, चिकित्सीय और मानसिक सहयोग एक ही स्थान पर पा रही हैं और यह भरोसा जगा है कि उनकी आवाज़ अब अनसुनी नहीं होगी। मुस्लिम महिलाओं को अन्यायपूर्ण परंपरा से मुक्त करने वाला 'तीन तलाक' विरोधी कानून इसी दिशा में बड़ा परिवर्तन साबित हुआ। वहीं, कामकाजी महिलाओं के लिए 'मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017' के अंतर्गत अवकाश 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया तथा बड़े संस्थानों में शिशु गृह (क्रेच) की सुविधा अनिवार्य की गई। इन पहलों ने महिलाओं को सुरक्षा और गरिमा के साथ कार्यक्षेत्र में सक्रिय योगदान का अवसर प्रदान किया।

मोदी सरकार की नीतियों में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारी सशक्तिकरण का मर्मस्थ स्रोत रहा है और हाल के आँकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2014-15 में जहाँ 1000 लड़कों पर 918 लड़कियाँ थीं, 2023-24 में यह अनुपात बढ़कर 930 हुआ और माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों की नामांकन दर 75.51% से बढ़कर 78ब पहुँची। मार्च 2022 में 'कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव' से 1,00,786 बच्चियाँ स्कूल लौटीं। 2014-16 में मातृ मृत्यु दर 130 से घटकर 2018-20 में 97 रह गई और संस्थागत प्रसव 87% से बढ़कर 94% से अधिक हुआ- यह दर्शाता है कि सुरक्षित मातृत्व ही विकसित भारत की सच्ची पहचान है। राज्यों के अनुभव इस प्रगति को और भी सजीव बना देते हैं। उत्तर प्रदेश में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की दर 51% से घटकर 45.9% रह गई और गंभीर एनीमिया 2.1ब से घटकर 1.7% पर आ गया- यह आँकड़े मातृ स्वास्थ्य सुधार की गवाही देते हैं।

इसी कड़ी में उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10.33 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए, जिनमें से 8.34 करोड़ परिवार सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, जिससे माताओं और बच्चों को धुएँ से मुक्ति मिली। वहीं, स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने करोड़ों शौचालयों ने ग्रामीण महिलाओं को खुले में शौच की विवशता से उबार कर उनकी गरिमा और स्वास्थ्य दोनों को संबल दिया। यह सब मिलकर नारी जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान की नई कहानी लिख रहे हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता भी अब महिलाओं की शक्ति का दूसरा नाम बन चुकी है। मोदी सरकार के प्रयासों से 'स्टैंड अप इंडिया' और 'मुद्रा योजना' ने लाखों महिला उद्यमियों को कारोबार के लिए वित्तीय सहारा दिया, जबकि 'लाखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' योजना ने ग्रामीण महिलाओं को तकनीक और स्वरोज़गार से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी भारत की नई पहचान बना दिया है। मुद्रा योजना में महिलाओं की हिस्सेदारी 68% है और 2016 से 2025 के बीच प्रति महिला औसत ऋण 62,679 रुपये तक पहुँचा। स्टैंड-अप इंडिया में 80% से अधिक ऋण महिलाओं को मिले। उत्तर प्रदेश में मनरेगा में उनकी भागीदारी 35% से बढ़कर 45.05% और श्रम-बल में 14% से बढ़कर 36% हुई। वाराणसी की 1.38 लाख ग्रामीण महिलाएँ स्व-सहायता समूहों से आत्मनिर्भर बनीं, जिनमें कई ड्रोन पायलटिंग, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। यह दर्शाता है कि महिलाएँ अब केवल योजनाओं की भागीदार नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था की सशक्त धुरी बन रही हैं।

डिजिटल इंडिया ने महिलाओं के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव लाया है। शहरी भारत की महिलाएँ स्मार्टफोन और इंटरनेट के सहारे बैंकिंग, ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान को सहज बना रही हैं, तो ग्रामीण भारत की 76% महिलाएँ मोबाइल का उपयोग कर रही हैं और आधी से अधिक अपने निजी फोन की स्वामिनी बन चुकी हैं। यही तकनीकी पहुँच उन्हें डिजिटल विपणन, पैकेजिंग और ई-कॉमर्स से जोड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर कर रही है। साथ ही, महिला हेल्पलाइन 181, एनसीडब्ल्यू 24म7 और पावर लाइन-1090 सुरक्षा और न्याय की त्वरित पहुँच देकर उनके आत्मविश्वास को और गहरा कर रही हैं। मोदी सरकार का यह डिजिटल सशक्तिकरण महिलाओं को समय और दूरी की सीमाओं से आज़ाद कर अवसरों की नई दुनिया थमा रहा है और उन्हें नवोन्मेषी बना रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में महिलाओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में नया इतिहास रचा। अग्निपथ योजना के तहत 153 महिला अग्निवीरों ने बेलगावी से प्रशिक्षण पूरा किया और नौसेना ने लगभग 20ब पद महिलाओं के लिए खोले। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सात महिला बीएसएफ कर्मियों ने 72 घंटे तक मोर्चा सँभाल कर साहस का अद्वितीय उदाहरण पेश किया। प्रधानमंत्री ने इस अभियान को हर माँ और बहन को समर्पित किया। साथ ही सेना का 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सांस्कृतिक प्रतीक बना- जहाँ राष्ट्र रक्षा के साथ महिलाओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा का संदेश भी प्रतिध्वनित हुआ। सचमुच, अग्निवीर बेटियाँ अब सीमाओं पर देश की ढाल हैं और 'सिंदूर' वीरता का प्रतीक है।

बेशक चुनौतियाँ अब भी हैं और सामाजिक पूर्वाग्रह भी कायम हैं, पर अब नींव इतनी मजबूत है कि बदलाव अटल है। मोदी युग में महिलाओं की आवाज़ अब निर्णय और दिशा गढ़ती है; नारी केवल लाभार्थी नहीं, परिवर्तन की शिल्पकार और राष्ट्र निर्माण की धुरी बन चुकी है। यदि यही रफ्तार कायम रही तो साल 2047 का विकसित भारत सचमुच नारी-निर्मित भारत होगा- जहाँ हर क्षेत्र में स्त्री शक्ति समानता, समृद्धि और नई संभावनाओं की मिसाल बनेगी।

दशहरे का संदेश क्या गुम हो गया है?

- डॉ प्रियंका सौरभ

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, हमारे समाज में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण का दहन करके यह संदेश दिया जाता है कि बुराइयाँ समाप्त हो जाएँ और धर्म और नैतिकता की स्थापना हो। परंतु आज के दौर में यह पर्व केवल उत्सव और मनोरंजन का साधन बनता जा रहा है। रावण दहन के पुतले जलते हैं मगर समाज में व्याप्त रावण- यानी अपराध, दुराचार और नैतिक पतन लगातार बढ़ रहे हैं।

हर साल दशहरे पर लोग बड़े उत्साह के साथ रावण के पुतले जलाते हैं। इसका उद्देश्य हमेशा यह रहा कि बुराइयों का नाश हो और अच्छाई की विजय हो। लेकिन वर्तमान समाज में यह प्रतीकात्मक क्रिया केवल दृश्य मनोरंजन बनकर रह गई है। लोग इसे देखने आते हैं, सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो डालते हैं, पर भीतर अपने जीवन या समाज में व्याप्त बुराइयों को बदलने का प्रयास नहीं करते।

रावण महाज्ञानी, शक्तिशाली और नीति पालन करने वाला शासक था। वह भगवान शिव का उपासक था, विद्वान था और शूरवीर भी। उसकी एक गलती- सीता का हरण- उसे नाश की ओर ले गई। रावण के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि कोई भी व्यक्ति अपनी विद्वत्ता, शक्ति या संसाधनों के बल पर नैतिक पतन के मार्ग पर टिक नहीं सकता। यदि अहंकार और वासना हृदय पर हावी हो जाए तो विनाश निश्चित है।

आज का समाज भी इसी तरह के रावणों से भरा है। पुराना रावण केवल एक व्यक्तित्व था, जबकि आज के रावण हर घर, गली, शहर और गाँव में विद्यमान हैं। अपराध, हत्या, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, रिश्वत और भ्रष्टाचार की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह केवल पुलिस या कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि समाज के नैतिक पतन का संकेत भी है।

दशहरे के पर्व में जलते पुतले यह दिखाते हैं कि बुराई का अंत हो गया। परंतु वास्तविकता यह है कि बुराई समाज में कहीं भी कम नहीं हुई। आज के 卐रावण卐 धूर्त, अहंकारी और क्रूर हैं। वह अपने लाभ के लिए किसी की भी हानि करने से नहीं हिचकिचाते। दहेज़ के लिए पत्नी को जलाना, महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और बच्चों पर अत्याचार - ये केवल कुछ उदाहरण हैं। यह सब समाज में बड़े पैमाने पर घट रहा है।

पुराने रावण ने अपने भीतर की इच्छाओं और अहंकार के कारण विनाश का मार्ग अपनाया। आज के रावण और भी खतरनाक हैं, क्योंकि वे केवल बाहरी शक्ति और कानून का इस्तेमाल करके अपने स्वार्थ साधते हैं। उनमें नैतिकता, ईमानदारी या धर्म के लिए कोई श्रद्धा नहीं है। परिणामस्वरूप, समाज में विश्वास और मानवता का संकट बढ़ता जा रहा है।

रावण दहन का असली उद्देश्य केवल पुतले जलाना नहीं है। यह हमें अपने भीतर के रावणों - दोष, नकारात्मक भावनाओं और बुराइयों - को पहचानने और दूर करने की शिक्षा देता है। जब तक हम अपने भीतर के अहंकार, द्वेष, झूठ, कपट और वासना को नहीं मारेंगे, तब तक समाज में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है।

आज का समाज शिक्षित और जागरूक है, पर फिर भी बुराइयाँ बढ़ रही हैं। अपराध, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, भ्रष्टाचार, अनैतिक व्यापार - ये सभी आधुनिक रावणों के उदाहरण हैं। बच्चों और युवाओं पर इसका विशेष प्रभाव पड़ता है। यदि हम केवल रावण दहन के उत्सव में आनंद लेते रहेंगे और बुराइयों के खिलाफ वास्तविक प्रयास नहीं करेंगे, तो यह उत्सव खाली प्रतीक बनकर रह जाएगा।

दशहरे का असली अर्थ तब पूरा होता है जब हम अपने भीतर के दोषों का संहार करें। झूठ, कपट, अहंकार, वासना और द्वेष- इन्हें पहचान कर दूर करना ही असली विजय है। यह केवल सामाजिक और नैतिक सुधार का मार्ग नहीं है बल्कि व्यक्तिगत उन्नति का भी मार्ग है। समाज में बदलाव केवल व्यक्तियों के प्रयास से संभव है। माता-पिता, शिक्षक, समाज के वरिष्ठ लोग और नीति निर्माता सभी को मिलकर युवाओं और बच्चों में नैतिक शिक्षा, सदाचार और मानवता का बीज बोना होगा। तभी दशहरे का वास्तविक संदेश- बुराई पर अच्छाई की विजय - साकार हो सकता है। यदि हम चाहते हैं कि रावण दहन का पर्व केवल जलते पुतलों तक सीमित न रहे, तो हमें अपने अंदर झूठ, कपट, अहंकार और द्वेष का अंत करना होगा। अपने समाज के भीतर व्याप्त अपराध और अनैतिकता पर विजय पाना होगा। तभी दशहरे का त्योहार न केवल उत्सव बनेगा, बल्कि वास्तविक रूप से समाज सुधार और नैतिकता का प्रतीक बनेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विकास को स्थिर बनाए रखा, भविष्य की संभावनाओं को भी और मज़बूत किया

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आर्थिक ताकत और नीतिगत प्रतिबद्धता को मान्यता देने वाला एक विशेष समय सामने आया है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत की दीर्घकालिक सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीबीबी-' से बढ़ाकर 'बीबीबी' और अल्पकालिक रेटिंग को 'ए-3' से 'ए-2' कर दिया है। यह सुधार किसी सामान्य तकनीकी घोषणा भर का मामला नहीं है बल्कि यह उस आर्थिक आत्मविश्वास और नीतिगत स्थिरता का प्रमाण है, जिसे भारत ने निरंतर बनाए रखा है।

दरअसल, वर्ष 2007 के बाद यह पहली बार है जब भारत की रेटिंग में सुधार हुआ है और इस अंतराल में दुनिया की अर्थव्यवस्था ने कई गहरे झटके झेले हैं। 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, यूरोपीय ऋण संकट, कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया पश्चिम एशियाई अस्थिरता जैसी चुनौतियाँ भारत के सामने भी थीं, लेकिन इन सबके बीच भारत ने न केवल अपने विकास को स्थिर बनाए रखा बल्कि भविष्य की संभावनाओं को भी और मज़बूत किया। रेटिंग सुधार इसीलिए भारत की नीतिगत क्षमता और आर्थिक लचीलापन दोनों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है।

यह सुधार निवेशकों के लिए एक भरोसे का संदेश है। 'बीबीबी' श्रेणी को निवेश ग्रेड माना जाता है और इसका अर्थ यह है कि भारत अपने वित्तीय दायित्वों को समय पर पूरा करने की पर्याप्त क्षमता रखता है। यद्यपि यह रेटिंग अभी 'ए' या 'एएए' स्तर तक नहीं पहुँची है, लेकिन यह मान्यता महत्वपूर्ण है कि भारत अब उन देशों की श्रेणी में शामिल है जिन्हें सुरक्षित निवेश गंतव्य माना जाता है। अल्पकालिक 'ए-2' रेटिंग भी यही बताती है कि भारत की तत्कालीन वित्तीय प्रतिबद्धताओं पर कोई खतरा नहीं है। यह सुधार भारत की उस दीर्घकालिक आर्थिक योजना का हिस्सा है, जिसमें तेज़ जीडीपी वृद्धि, मजबूत मौद्रिक ढाँचा, नियंत्रित मुद्रास्फीति और बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश शामिल है।

अगर हालिया आंकड़ों पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच भारत की औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.8 प्रतिशत रही है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है। एसएंडपी का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में भी भारत 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ता रहेगा।

यह दर उस समय में उल्लेखनीय है जब चीन की वृद्धि दर पाँच प्रतिशत से नीचे जा रही है और यूरोप व अमेरिका की बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ मंदी के दबाव से जूझ रही हैं।

इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बन चुका है और आने वाले वर्षों में इसका दबदबा और बढ़ेगा।

इस वृद्धि के पीछे सरकार का राजकोषीय प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित नीतियां प्रमुख कारण रही हैं। महामारी के दौरान भारत का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 9 से 13 प्रतिशत तक पहुँच गया था। लेकिन अब यह घटकर वित्त वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। राज्य सरकारों का घाटा भी अगले तीन-चार वर्षों में औसतन 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। केंद्र और राज्यों दोनों को मिलाकर सामान्य सरकारी घाटा 2029 तक 6.6 प्रतिशत पर आ सकता है। यह सुधार न केवल वित्तीय अनुशासन का प्रमाण है बल्कि यह भी बताता है कि सरकार ने बड़े पैमाने पर निवेश को बिना चालू खाता घाटा बढ़ाए सफलतापूर्वक वित्तपोषित किया है। यह भारत की विश्वसनीयता में बढ़ोतरी करने वाला कारक है।

बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए गए निवेश ने भी भारत की आर्थिक संभावनाओं को एक नई दिशा दी है। वित्त वर्ष 2026 तक केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 11.2 ट्रिलियन रुपये तक पहुँचने का अनुमान है, जो जीडीपी का 3.1 प्रतिशत होगा। यदि राज्यों को मिलाया जाए तो यह अनुपात 5.5 प्रतिशत तक जाता है। इतनी बड़ी पूंजीगत हिस्सेदारी केवल आँकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह सड़कों, रेलमार्गों, बंदरगाहों, ऊर्जा संयंत्रों और डिजिटल अवसंरचना के निर्माण में परिलक्षित होती है। यह निवेश दीर्घकालिक विकास की बाधाओं को दूर करने में सहायक है। भारत की समस्या लंबे समय तक यही रही कि यहाँ बुनियादी ढाँचे की कमी विकास की गति को रोक देती थी। अब केंद्र की मोदी सरकार इस कमी को व्यवस्थित रूप से दूर कर रही है और इसका लाभ उद्योग, व्यापार और नागरिकों सभी को मिलेगा।

मुद्रास्फीति पर नियंत्रण और मौद्रिक नीति की स्थिरता इस रेटिंग सुधार के दूसरे बड़े कारण हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2015 से मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का ढाँचा अपनाया, जिसमें 2 से 6 प्रतिशत के बीच खुदरा मुद्रास्फीति रखने का लक्ष्य है। पिछले तीन वर्षों में औसतन मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत पर रही है और हाल के महीनों में यह घटकर 2 प्रतिशत के करीब आ गई है। जुलाई 2025 में मुख्य सीपीआई मुद्रास्फीति केवल 1.6 प्रतिशत रही, जो वैश्विक ऊर्जा मूल्य अस्थिरता के बावजूद उल्लेखनीय है। यही कारण है कि फरवरी 2025 में रिजर्व बैंक ने नीतिगत रेपो दर को घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। मुद्रास्फीति नियंत्रण का यह अनुभव निवेशकों को भरोसा देता है कि भारत में मूल्य अस्थिरता आर्थिक विकास की राह में बाधा नहीं बनेगी।

विदेशी निवेशकों के लिए भारत अब और अधिक आकर्षक बन गया है। रेटिंग सुधार का सीधा अर्थ है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से भारत को सस्ता ऋण मिलेगा। इससे न केवल सार्वजनिक परियोजनाओं की फंडिंग आसान होगी बल्कि निजी क्षेत्र को भी अधिक अवसर मिलेंगे। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पोर्टफोलियो निवेश दोनों में वृद्धि की संभावना है। निवेशकों की नजर में स्थिर नीतियाँ और भरोसेमंद संस्थागत ढाँचा सबसे बड़ा आकर्षण होता है। भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

चाहे दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता हो, जीएसटी जैसी कर सुधार व्यवस्था हो या डिजिटलीकरण की पहल, इन सबने भारत की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी और कुशल बनाने में योगदान दिया है।

रेटिंग सुधार का एक गहरा राजनीतिक और कूटनीतिक महत्व भी है। यह केवल आर्थिक आँकड़ों की मान्यता नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का भी संकेत है। दुनिया की बड़ी कंपनियाँ और निवेशक जब यह देखते हैं कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ भारत की रेटिंग सुधार रही हैं, तो उनका विश्वास और बढ़ता है। यह सुधार भारत की छवि को उभरते हुए आर्थिक शक्ति से एक स्थिर और भरोसेमंद शक्ति में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या भारत इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक सुधारों को आगे बढ़ाने में कर पाएगा? रेटिंग सुधार केवल एक आरंभ है, अंत नहीं। इसे बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए भारत को राजकोषीय अनुशासन को और मज़बूत करना होगा, निर्यात विविधीकरण करना होगा, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना होगा तथा सामाजिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। विकास तभी टिकाऊ और सार्थक होगा जब वह समाज के हर वर्ग तक पहुँचे।

तमिम इकबाल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड चुनाव से नामांकन वापस लिया

एजेंसी

ढ़ाका। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमिम इकबाल ने आगामी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) चुनाव से अपना नामांकन वापस ले लिया है, जो 6 अक्टूबर को होने वाला था। बाएं हाथ के ओपनर तमिम बुधवार (1 अक्टूबर) को बीसीबी मुख्यालय पहुंचे और औपचारिक रूप से अपने नामांकन पत्र वापस लिए। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, ÷आज हमने अपना नामांकन वापस लिया है। मेरे सहित करीब 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस लिया है। इसका कारण बहुत स्पष्ट है। मुझे आपको कोई विस्तार से विवरण देने की आवश्यकता नहीं है। तमिम पहले बीसीबी में निदेशक पद के लिए चुनाव में हिस्सा लेने में रुचि दिखा चुके थे, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। उन्होंने नामांकन दाखिल करने के बाद खुलकर सरकार के हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, शुरुआत से ही मैं कह रहा था कि यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है और इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो कुछ भी उस समय सही लगता है, वही किया जा रहा है। यह चुनाव नहीं है और यह क्रिकेट के लिए उपयुक्त नहीं है। यह एक तरह से हमारी निंदा है कि हम इस गंदगी का हिस्सा नहीं बन सकते।

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने चाइना ओपन का खिताब जीता

बीजिंग। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अमेरिका के युवा टीनर लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर का 21वां खिताब जीत लिया। सिनर ने बीजिंग की हार्ड कोर्ट पर यह खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। 2023 में उन्होंने अपने टूर्नामेंट डेब्यू में डेनियल मेदवेदेव को हराकर पहला खिताब जीता था। 24 साल के सिनर अब तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने चाइना ओपन का खिताब एक से अधिक बार जीता है। उनसे पहले नोवाक जोकोविच ने छह और राफेल नडाल ने दो खिताब जीते हैं। बीजिंग के सेंटर डायमंड कोर्ट पर उनकी एकमात्र हार उनके बड़े प्रतिद्वंदी कार्लोस अल्काराज के हाथों हुई थी। अल्काराज ने पिछले साल चाइना ओपन का फाइनल तीन सेट में जीता था। सिनर ने पहले सेट में टिएन को तुरंत ब्रेक करते हुए मैच पर कब्जा जमा लिया। दूसरे सेट के दूसरे गेम में टिएन को ब्रेक लेने का एक मौका मिला, लेकिन सिनर ने तुरंत नियंत्रण वापस ले लिया। 1 घंटे 12 मिनट चले इस फाइनल में सिनर ने 10 एसेस मारे और मैच को सहज तरीके से समाप्त किया। टिएन अगर जीत जाते तो बीजिंग के इतिहास में सबसे कम रैंक वाले चैंपियन बन जाते और 19 साल 9 महीने की उम्र में एंडी रॉडिक के बाद सबसे युवा अमेरिकी टूर चैंपियन बनते। सिनर की बीजिंग जीत इस सत्र में उनका तीसरा खिताब। इसके पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन जीत रखे हैं। अल्काराज के शंघाई मास्टर्स से बाहर होने के बाद सिनर के पास वर्ष के अंत से पहले पुरुषों की रैंकिंग में टॉप नंबर एक पर वापस लौटने का मौका है। सिनर इस हफ्ते शुरू हुए शंघाई ओपन में टॉप सीड होंगे।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कैथरीन डेब्रनर ने पूरी की स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

नई दिल्ली। स्विटजरलैंड की स्टार व्हीलचेयर रेसर कैथरीन डेब्रनर ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बुधवार को स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन ने बुधवार सुबह 3ः16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए।

अंडर-19 यूथ टेस्ट: वैभव सूर्यवंशी और वेदांत ने भारत को दिलाई बढ़त

ब्रिस्बेन। भारतीय अंडर-19 टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले यूथ टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ धमाकेदार शतक लगाकर टीम को मजबूती से बढ़त दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 78 गेंदों में शतक लगाते हुए भारत को पहली पारीग में 428 रन तक पहुंचाया। दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया की टीम 8 रन पर 1 विकेट खो चुकी थी, जिसमें ओपनर एलेक्स ली यंग को डक पर पैसर दीपेश देवेंद्रन ने आउट किया। सूर्यवंशी ने केवल 86 गेंदों में 113 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उन्होंने एक छक्का और चौका लगाकर शतक पूरा किया। उन्होंने 78 गेंदों पर शतक पूरा किया और इसी के साथ वह यूथ टेस्ट इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए, उनसे पहले आयुष म्हात्रे ने 64 गेंद पर शतक लगाया था।

दिग्गज कोच माइकल बोहल ने भारतीय तैराकों को सराहा, बोले- और अधिक तैराकों की जरूरत

एजेंसी

अहमदाबाद। चीन ने वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 49 पदक (38 स्वर्ण, 8 रजत और 3 कांस्य) जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीतकर एक बार फिर पूल में अपनी श्रेष्ठता साबित की। भारत के लिए यह चैंपियनशिप एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही, क्योंकि भारत ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 13 पदक (4 रजत, 9 कांस्य) जीते और कुल मिलाकर नौवां स्थान हासिल किया, जो वाटर स्पोर्ट्स में देश की बढ़ती प्रभुता का प्रमाण है। चीन के इस शानदार अभियान की कमान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तैराकी कोच माइकल बोहल के हाथों में है। उनको 33 वर्षों से भी ज़्यादा का अनुभव है। 2008 से 2021 के बीच हर संस्करण में एथलीटों को ओलंपिक पोडियम तक पहुंचाने वाले बोहल पांच बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एम्मा मैककॉन और तीन बार की चैंपियन स्टेफ़नी राइस को अपनी सबसे प्रतिष्ठित शिष्यों में गिनते हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्पोर्ट्स मेडल एंड ऑर्डर ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया पदक विजेता ने कहा, हमें नहीं पता था कि इस प्रतियोगिता में क्या उम्मीद करनी है। पिछली बार यह 2016 में आयोजित हुई थी और चीन के

पास 18 स्वर्ण पदक थे और यही हमारा लक्ष्य था। और मुझे विश्वास है कि हम उससे आगे निकल गए, इसलिए हम बहुत खुश हैं। इस बीच, भारत ने इस खेल में अपनी पहचान बनाना शुरू कर दिया है, जिसमें श्रीहरि नटराज, ऋषभ दास, कुशाग्र रावत, रोहित बी बेनेडिक्टॉन, साजन प्रकाश और भव्या सचदेवा जैसे युवा तैराक उभर रहे हैं। इस सबने तैराकी में भारत के लिए व्यक्तिगत पदक जीते, जबकि इंदिवर सैरेम और विल्सन सिंग निंगथौजम ने डाइविंग में भारत को पहला पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। बोहल ने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने यहां बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। कुछ बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं। मुझे लगता है कि पुरुषों ने ख़ास तौर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि बुधवार रात 400 मीटर फ़्रीस्टाइल में एक महिला ने पदक जीता। इसलिए जब भी आप किसी एशियाई स्तर की प्रतियोगिता में पोडियम पर पहुंचते हैं, तो यह देश के लिए अच्छी बात होती है। श्रीहरि नटराज ने सात पदक (3 व्यक्तिगत, 4 रिले) के साथ भारतीय दल का नेतृत्व किया। इसके अलावा भारतीय दल में वृत्ति अग्रवाल, धीनिधि देसिंघु, सान्वी देशवाल, अद्वैत पेज, निथिक नथेला और जशुआ थॉमस दुरई जैसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने इस एशियाई प्रतियोगिता में अपार संभावनाएं और क्षमता दिखाई।

प्रयागराज हॉप्स ने जीता बास्केटबाल का खिताब

एजेंसी

प्रयागराज। प्रथम प्रयागराज जिला सब जूनियर बास्केटबाल प्रतियोगिता में प्रयागराज हॉप्स ने स्काई टाइटन को 11-4 से अंक से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। वशिष्ठ वाल्सल्य पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस स्थित बुल्स बास्केटबाल अकादमी के कोर्ट पर खेले गये फाइनल मुकाबले में विजेता टीम के तरफ से आदर्श रंजन ने पांच, अजिंक्य शुक्ला ने चार अंक एवं विनीत ने दो अंक बनाये। उपविजेता टीम की तरफ से सभी चार अंक देवांश ने अर्जित किये। प्रतियोगिता में छह टीमों ने प्रतियोगिता में भाग किया। मैच में रवि प्रकाश मौर्य मुख्य रेफरी एवं प्रीति शर्मा, सूरज दुबे, मोहम्मद सैफ, शिवम सोनकर, शिवांक मिश्रा सहायक निर्णायक रहे।

मैच से पूर्व भारतीय बास्केटबाल टीम के मुख्य चयनकर्ता व अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी राजेंद्र सिंह बेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मुख्य अतिथि सिविल लाइंस के पार्षद संतोष कुमार सिंह उर्फ बबलू रघुवंशी ने पुरस्कार वितरित किये। अंश को प्रतियोगिता सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। आयोजन सचिव बिनोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत और विजय राय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर प्रयागराज जिला बास्केटबाल संघ के सचिव शील कुमार ओझा आशीष कुमार, प्रशांत, कौशलेंद्र, कुणाल, हबीब नवाज, प्रवीण मिश्रा, राजेंद्र कनौजिया, पुनीत श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

भारत ने जीता दिलः चीन की वेन शियाओयान ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजन को बताया सर्वश्रेष्ठ

जेंसी

नई दिल्ली। चीन की पैरालंपिक चैम्पियन वेन शियाओयान ने नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की महिलाओं की 100 मीटर टी37 फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। पदक जीतने के बाद उन्होंने प्रतियोगिता की मेज़बानी के लिये भारत की खुलकर सराहना की। 12.93 सेकेंड का सीज़न का सर्वश्रेष्ठ समय निकालने के बाद वेन ने अपने प्रदर्शन को 'औसत' बताया, लेकिन उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वास्तव में असाधारण भारत द्वारा इस चैंपियनशिप का शानदार आयोजन है। उन्होंने कहा, यह मेरा यहां दूसरा इवेंट है। आज का नतीजा औसत रहा क्योंकि मैं बीच में थोड़ी कमजोर पड़ गई थी। लेकिन मुझे लगता है कि भारत ने बहुत ईमानदारी दिखाई है। चीनी धाविका ने प्रतियोगिता की सुविधाओं और समग्र माहौल को विश्वस्तरीय बताते हुए कहा, ÷संगठन द्वारा दिया गया रेस वेन्यू सबसे बेहतरीन है। इसलिए मैं भारत सरकार और यहां के वॉलंटियर्स को धन्यवाद देना चाहती हूं। उनके ये शब्द दुनिया

भर के खिलाड़ियों की उस बढ़ती आवाज़ को और मज़बूत करते हैं, जो भारत की मेज़बानी की प्रशंसा कर रहे हैं। सुलभता, स्वयंसेवक सहयोग और अत्याधुनिक सुविधाओं ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा एथलीट्स के लिए उपयुक्त मंच बना दिया है। वेन, जो अपने अन्य व्यक्तिगत और टीम इवेंट्स में हिस्सा लेने वाली हैं, ने वादा किया कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा, मैं पूरी कोशिश करूंगी कि व्यक्तिगत और टीम इवेंट्स में भाग लेकर चीन के लिए और पदक जीत सकूं। फिलहाल, भारत की कोशिशों की उनकी यह सराहना इस बात की मजबूत गवाही है कि देश वास्तव में विश्वस्तरीय चैंपियनशिप आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीकेएल-12 : आखिरी रेड में हरियाणा स्टीलर्स को फिर मिली करीबी हार, जयपुर पिंक पैंथर्स ने 1 प्वाइंट से दर्ज की रोमांचक जीत

एजेंसी

चेन्नई। मुकाबले में एक समय 10 प्वाइंट से पीछे रहने के बावजूद जयपुर पिंक पैथर्स ने आखिरी मिनट में शानदार वापसी करते हुए यहां एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 57वें मैच में हरियाणा स्टीलर्स को 37-36 से हरा दिया। जयपुर के लिए साहिल के सात प्वाइंट के अलावा अली ने छह और दीपांशु तथा आर्यन ने चार-चार प्वाइंट लिए। वहीं, हरियाणा के लिए विनय ने 11 और शिवम ने सात प्वाइंट जुटाए। 10 मैचों में छठी जीत के बाद जयपुर पिंक पैंथर्स ने अब 12 अंक लेकर अंकतालिका में पांचवें नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं, हरियाणा स्टीलर्स को 10 मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है। टीम को पिछले मैच में भी एक प्वाइंट से हार मिली थी। हरियाणा स्टीलर्स ने जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ इस मुकाबले में उम्दा शुरुआत की। टीम ने धीरे-धीरे लय पकड़ ली और विनय तथा शिवम पटारे के चार-चार प्वाइंट की बदौलत शुरुआती 10 मिनट के खेल में मिनट बाद ही स्टीलर्स ने जयपुर को ऑलआउट दे दिया और फिर पहले हाफ की समाप्ति तक स्कोर को 20-13 से अपने पक्ष में रखा। दूसरे हाफ में पैंथर्स

छह प्वाइंट की लीड बना ली और स्कोर को 10-4 का कर लिया। हालांकि जयपुर पिंक पैंथर्स ने फिर नौवें मिनट में सुपर टैकल करके ना सिर्फ दो प्वाइंट लिए बल्कि खुद को ऑलआउट होने से भी बचा लिया। स्टीलर्स के पास 15वें मिनट तक चार प्वाइंट की लीड कायम थी। दो ने फिर से सुपर टैकल करके अपनी वापसी की उम्मीदों को जिंदा रखा। 25वें मिनट तक हरियाणा के पास 24-17 की लीड थी। तीन मिनट बाद ही ईरान के अली समादी को डू ऑर डाई में टैकल करके हरियाणा ने सुपर टैकल में दो प्वाइंट और अपने खाते में जोड़ लिए।

वर्ल्ड अमेच्योर टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय गोल्फ यूनियन सिंगापुर भेजेगा तीन सदस्यीय टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू), जो देश में गोल्फ की राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) है, ने सिंगापुर में होने वाली प्रतिष्ठित वर्ल्ड अमेच्योर टीम चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए तीन सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह चैंपियनशिप 8 से 11 अक्टूबर 2025 तक तानाह मेराह कंट्री क्लब (टाम्पाइन्स कोर्स) में आयोजित होगी। भारतीय टीम में अरिन आहूजा, रक्षित दहिया और दीपक यादव शामिल हैं।

ये खिलाड़ी 35 अन्य देशों के अमेच्योर गोल्फरों से मुकाबला करेंगे और अमेरिका के 34वें राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर के नाम पर रखी गई आइजनहावर ट्रॉफी जीतने का प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जून में आयोजित दिल्ली-एनसीआर कप में रक्षित दहिया विजेता और दीपक यादव उपविजेता रहे थे।टीम के कप्तान के रूप में भारतीय गोल्फ यूनियन के महानिदेशक मेजर जनरल

(सेवानिवृत्त) विभूति भूषण टीम के साथ सिंगापुर जाएंगे। उन्होंने कहा, ÷हमारे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आईजीयू ने पिछले साल राष्ट्रीय स्क्वाड प्रणाली बनाई थी, जिसका लाभ हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मिल रहा है। रणवीर मित्रो, हरजाई मिल्खा सिंह और कृष्ण चौला जैसे खिलाड़ी लगातार टॉप-10 में जगह बना रहे हैं। हमें भरोसा है कि इस बार भी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी।यह चैंपियनशिप पहली बार 1958 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रूज़ के ओल्ड कोर्स पर आयोजित हुई थी। अमेरिका ने अब तक सबसे अधिक 28 पदक (16 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य) जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया (14 पदक), ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड (11), कनाडा (7) और स्वीडन (7) शीर्ष-5 देशों में शामिल हैं।

टाम्पाइन्स कोर्स को 7,394 यार्ड लंबाई और 72 पार के हिसाब से तैयार किया गया है। यह गोल्फ क्लब पहले भी कई विश्वस्तरीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुका है, जिनमें जॉनी वॉकर क्लासिक, लेक्सस कप, एचएसबीसी विमेंस चैंपियंस, एशियन टूर का इंटरनेशनल सीरीज सिंगापुर और हाना फाइनेंशियल ग्रुप सिंगापुर विमेंस ओपन शामिल हैं। प्रतियोगिता व्यक्तिगत स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली जाएगी। प्रत्येक राउंड में टीम के तीन खिलाड़ियों में से दो के सर्वश्रेष्ठ स्कोर जोड़े जाएंगे और चार दिनों (72 होल) का कुल स्कोर टीम का अंतिम स्कोर होगा।

प्राइम वॉलीबॉल लीग सीज़न 4 : मेज़बान हैदराबाद ब्लैक हॉक्स और मौजूदा चैंपियन कालीकट हीरोज़ के मुक़ाबले से होगा आगाज़

एजेंसी

नई दिल्ली।स्कैपिया द्वारा संचालित आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग ने एक प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ अपने बहुप्रतीक्षित चौथे सीज़न का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक और एमडी तुहिन मिश्रा, प्राइम वॉलीबॉल लीग के सीईओ जॉय भट्टाचार्य, टाइटल स्पॉन्सर आरआर केबल के प्रतिनिधि और लीग की दस फ्रैंचाइज़ियों के कप्तान शामिल हुए। सीज़न की शुरुआत लीग के दो ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्वियों- अनुभवी मोहन उक्करापांडियन की कप्तानी वाली कालीकट हीरोज़ और ब्राज़ीलियाई पाउलो लॉमिनियर की कप्तानी वाली हैदराबाद ब्लैक हॉक्स के बीच होने वाले एक रोमांचक मुकाबले से होगी।आरआर ग्लोबल की निदेशक कीर्ति काबरा ने कहा, आरआर केबल को प्राइम वॉलीबॉल लीग के साथ साझेदारी पर बेहद गर्व है। यह साझेदारी प्रायोजन से कहीं आगे जाती है। यह भारतीय खेलों के भविष्य को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता है। यह लीग हमारे मूल मूल्यों- गति, चपलता और सटीकता को पूरी तरह से प्रतिबिंबित करती है और हम इस सीज़न में वॉलीबॉल चैंपियनों की अगली पीढ़ी को कोर्ट पर चमकते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। आरआर केबल के मुख्य विपणन अधिकारी शिशिर शर्मा ने कहा, पीवीएल ने वास्तव में देश के दिल पर कब्ज़ा कर लिया है। इसने एक छिपे हुए खेल को राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन में बदल दिया है। इस सीज़न में, हम समाज के सभी वर्गों के प्रशंसकों से रिकॉर्ड तोड़ दर्शकों और अभूतपूर्व जुड़ाव की उम्मीद करते हैं। आरआर केबल इस विकास गाथा में सबसे आगे रहकर, उस ऊर्जा और उत्साह के माध्यम से दर्शकों से जुड़कर (जो केवल विश्व स्तरीय वॉलीबॉल ही प्रदान कर सकता है) एक प्रमुख खेल उत्सव के रूप में पीवीएल की स्थिति को मजबूत करते हुए, रोमांचित है।

आईएलटी20 नीलामी: आंद्रे फ्लेचर सबसे महंगे खिलाड़ी, अश्विन रहे अनसोल्ड

एजेंसी

नई दिल्ली।वेस्टइंडीज़ के ओपनर आंद्रे फ्लेचर ने आईएलटी20 की पहली खिलाड़ी नीलामी में सुर्खियां बटोरीं। फ्लेचर को एमआई एमिरेट्स ने 2,60,000 अमेरिकी डॉलर की रिकॉर्ड बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा। वहीं चौंकाने वाला नतीजा यह रहा कि भारत के दिग्गज स्पिनर आर. अश्विन 1,20,000 अमेरिकी डॉलर के उच्चतम आधार मूल्य पर भी नहीं बिकेइंग्लैंड के स्कॉट करी को दुबई कैपिटल्स ने 2,50,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा, जबकि गल्फ जायंट्स ने लियम डॉसन पर 1,70,000 अमेरिकी डॉलर खर्च किए। अफगानिस्तान के नवीन-उल-हक भी फ्लेचर के साथ एमआई एमिरेट्स से जुड़े, उन्हें 1,00,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा गया।

यूएई खिलाड़ियों का प्रदर्शन इस नीलामी में ऐतिहासिक रहा।

शारजाह वॉरियर्ज़ ने राइट-टू-मैच कार्ड का इस्तेमाल करते हुए जुनैद सिद्दीकी को 1,70,000 अमेरिकी डॉलर में दोबारा शामिल किया, जो उनका सबसे महंगा सौदा रहा। वहीं एमआई एमिरेट्स ने यूएई के तेज गेंदबाज मुहम्मद रोहिद को 1,40,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा।अन्य बड़े सौदों में डेजर्ट वाइपर्स ने पाकिस्तान के फखर जमां और नसीम शाह को उनके आधार मूल्य 80,000 अमेरिकी डॉलर में शामिल किया। अबू धाबी नाइट राइडर्स ने स्कॉटलैंड के ब्रैंडन मैकमुलन (1,10,000 अमेरिकी डॉलर), माइकल पेपर, उन्मुक्त चंद और जॉर्ज गार्टन को टीम में लिया। इतिहास रचते हुए फैसल खान पहले सऊदी अरब के खिलाड़ी बने जिन्हें वाइपर्स ने 10,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा। गल्फ जायंट्स ने अपनी टीम सबसे पहले पूरी करते हुए तबरेज शम्सी, फ्रेड क्लासेन और क्रिस वुड को जोड़ा। एमआई एमिरेट्स ने फ्लेचर के अलावा शाकिब अल हसन (40,000 अमेरिकी डॉलर) और इंग्लैंड के ऑलराउंडर जॉर्डन थॉम्पसन (48,000 अमेरिकी डॉलर) को खरीदा। शारजाह वॉरियर्ज़ ने ड्वेन प्रिटोरियस (1,20,000 अमेरिकी डॉलर), नाथन सॉटर (1,00,000 अमेरिकी डॉलर), जेडन सील्स और तास्किन अहमद को शामिल किया।

मन बनाम बर्पीज़ : मन शर्मा का ऐतिहासिक वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रयास का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट मन शर्मा अपने अनोखे अभियान मन बनाम बर्पीज़ के साथ दुनिया का पहला बर्पी मैराथन पूरा करने का प्रयास करेंगे। यह मैराथन 6 से 15 अक्टूबर 2025 के बीच नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में आयोजित होगी, जहां मन 42.195 किलोमीटर की पूर्ण मैराथन दूरी सिर्फ बर्पी ब्रॉड जंप्स के जरिए पूरी करने का प्रयास करेंगे। यह आधिकारिक वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स प्रयास शारीरिक सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता की सीमाओं को परखने के साथ-साथ द वन फ्रेंड एनजीओ के लिए जागरूकता और धन जुटाने का माध्यम भी होगा, जो भारत में वंचित बच्चों को शिक्षा और अवसर उपलब्ध कराता है। इस आयोजन को भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) से मान्यता प्राप्त है और इसे क्रेश्चन एसोसिएट्स द्वारा फिट इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। यह चुनौती बेहद कठिन है, क्योंकि बर्पी ब्रॉड जंप्स का वर्तमान विश्व रिकॉर्ड महज़ 5.1 किलोमीटर का है। मन का प्रयास इसे लगभग आठ गुना बढ़ाकर नई ऊंचाई तक ले जाएगा, जिसके लिए उन्हें 400 मीटर ट्रैक के 106 चक्कर लगाने होंगे और आठ दिनों तक वहीं रहना होगा। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इसे अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी सहनशक्ति अभियानों में से एक बताया है। भारत सरकार के युवा कार्य और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख एल. मांडविया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ÷मन शर्मा भारतीय युवाओं की सच्ची भावना का प्रतीक हैं- दृढ़, निडर और उद्देश्यपूर्ण। इतनी असाधारण चुनौती को अपनाने का उनका साहस न केवल उनकी अपनी ताकत का प्रमाण है बल्कि पूरे देश के लाखों युवाओं को अपनी सीमाओं से परे जाने की प्रेरणा देता है। सहनशक्ति को करुणा के साथ जोड़कर वह यह साबित कर रहे हैं कि खेल सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली माध्यम हो सकता है। उनका यह प्रयास वंचित बच्चों की शिक्षा के महत्व को उजागर करेगा और ज़रूरतमंदों को नई उम्मीद देगा। मैं दिल से उन्हें इस ऐतिहासिक अभियान के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ और मानता हूं कि देश उनके हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाएगा।

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच पहला वनडे शुरू, सांसद रमेश अवस्थी ने किया शुभारम्भ

एजेंसी

कानपुर। ग्रीन पार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे मंगलवार को बारिश के चलते रद्द कर दिया गया था। लेकिन बुधवार को मौसम साफ होने से मैनेजमेंट की ओर पहला एक दिवसीय मैच कराया जा रहा है। मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने मैच का शुभारम्भ किया। तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे 30 सितम्बर को खेला जाना था, लेकिन दिन भर हुई बारिश के चलते देर शाम मैनेजमेंट की ओर से मैच को रद्द करने की घोषणा की गई। हालांकि दोनों टीमों के शहर में होने की वजह से मैनेजमेंट ने यह फैसला लिया कि मैच रद्द होने की वजह से शेड्यूल प्रभावित होगा। इसलिए अब यह मुकाबला खेला जाएगा। जिसके चलते बिना दर्शकों की मौजूदगी में ग्रीन पार्क में खेला जा रहा हैदिन भर हुई बारिश की वजह से मैदान से लेकर दर्शक दीर्घा तक फैली अव्यवस्थाओं के चलते आयोजकों द्वारा यह फैसला लिया गया कि यह मैच बिना दर्शकों के ही कराया जाए। ऐसे में दर्शकों के मन में एक संचय यह भी बना हुआ है कि मंगलवार को उनके द्वारा खरीदी गई टिकटों का क्या होगा? जिसे लेकर मैनेजमेंट ने साफ कर दिया है कि जो भी टिकट खरीदे गए हैं। समय आने पर उन सभी टिकटों का रिफंड कर दिया जाएगा।

भारत का 13 पदकों के साथ एशियाई तैराकी और डाइविंग में अबतक का सबसे सफल प्रदर्शन

एजेंसी

अहमदाबाद। 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के तैराकी और डाइविंग स्पर्धाओं के अंतिम दिन चीन ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया और आज वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 48 पदक (32 स्वर्ण, 8 रजत, 2 कांस्य) जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अंतिम दिन भव्या सचदेवा, साजन प्रकाश, श्रीहरि नटराज और पुरुष रिले टीम ने चार कांस्य पदक जीते। महिलाओं की 400 मीटर फ्रीस्टाइल, पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई, पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक और पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में उनके प्रयासों ने भारत के पदकों की संख्या 13 (4 रजत, 9 कांस्य) तक पहुंचा दी, जो देश का अब तक का सबसे सफल एशियाई अभियान था। चीन के बाद, जापान ने 17 पदकों (5 स्वर्ण, 8 रजत, 4 कांस्य) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हांगकांग 14 (3 स्वर्ण, 4 रजत, 7 कांस्य) के साथ शीर्ष तीन में रहा। महिलाओं की 400 मीटर फ्रीस्टाइल में, भव्या सचदेवा ने तीसरी लेन से शुरुआत की, जबकि अदिति सतीश हेगड़े ने दूसरी लेन से आगाज किया। जापान की तनिमोतो हारुनो (4ः16.39) ने पहले 50

मीटर से ही बढ़त बना ली वियतनाम की खान्ही न्गुयेन (4:25.50) ने आखिरी लैप तक भव्या का पीछा किया और भव्या को पछाड़कर रजत पदक जीता। भव्या (4:26.89) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, जो महिला वर्ग में भारत के लिए पहला पदक था।पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई में साजन प्रकाश ने तीसरी लेन से शुरुआत की और पहले 50 मीटर की धीमी दौड़ के बाद, चीनी ताइपे के कुआन हंग वांग (1ः56.63) और जापान के रियो कुरात्सुका से आगे निकलने के लिए ज़ोर लगाया, लेकिन आखिरी लैप में दोनों ने तेज़ तैराकी की और साजन को 1:57.90 के समय के साथ तीसरे स्थान पर धकेल दिया।

पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक में श्रीहरि नटराज ने चौथी लेन से शुरुआत की और 50 मीटर के निशान पर तीसरे स्थान पर आ गए, जो पांचवीं लेन में उनके साथी ऋषभ दास से थोड़ा आगे था। चीन के गुकैलाई वांग (54.27) और चीनी ताइपे के लू लुन चुआंग (54.45) ने अंत तक मामूली बढ़त बनाए रखी, जिससे श्रीहरि को 55.23 सेकंड के साथ कांस्य पदक मिला, जबकि ऋषभ उनके ठीक पीछे चौथे स्थान पर रहे। पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले ने रोमांचक मुकाबले के साथ शाम का समापन किया। थॉमस दुरई ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और तीसरा स्थान हासिल किया, लेकिन आकाश मणि दूसरे चरण में बढ़त बनाकर चीन के पीछे दूसरे स्थान पर आ गए। रोहित बी बेनेडिक्टॉन ने तीसरे लैप में कड़ी टक्कर दी, लेकिन चीनी ताइपे के म्यू लुन चुआंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। अंतिम चरण में श्रीहरि नटराज ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, लेकिन चीन (3:20.24) और चीनी ताइपे (3:20.59) ने अपनी पकड़ बनाए रखी, जिससे भारत ने रोमांचक अंत में 3ऋ21.49 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.8 फीसदी किया

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया। साथ ही सामान्य से बेहतर मानसून एवं जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के आधार पर महंगाई के अनुमान को घटाकर 2.6 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने आज यहां द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद इस फैसले की जानकारी दी। मल्होत्रा ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच घरेलू मोर्चे पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों ने भारत में वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति को लेकर विचार को बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''अच्छे मानसून के साथ भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बेहतर रही और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मजबूत रहा। साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति में भी उल्लेखनीय कमी आई है।'' संजय मल्होत्रा ने कहा, ''इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए छह सदस्यीय एमपीसी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 6.8 फीसदी कर दिया है। इसमें दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 7.0 फीसदी, तीसरी तिमाही 6.4 फीसदी और चौथी तिमाही 6.2 फीसदी रहेगी।

देश की आजादी के बाद पहली बार संघ पर डाक टिकट और सिक्का जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां के डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विशेष डाक टिकट और 100 रुपये का स्मृति सिक्का जारी किया। सिक्के पर संघ के बोध वाक्य राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम को अंकित किया गया है, जिसका अर्थ है %यह मेरा नहीं है, यह राष्ट्र का है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद पहली बार संघ के सम्मान में स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया गया है। इस डाक टिकट की अपनी विशेष महत्ता है। डाक टिकट पर 1963 के गणतंत्र दिवस परेड में संघ कार्यकर्ताओं की परेड की तस्वीर अंकित है। उन्होंने याद दिलाया कि 1963 में संघ के स्वयंसेवक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुए थे और राष्ट्रभक्ति की धुन पर कदमताल किया था। यह डाक टिकट उसी ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को संजोता है। साथ ही इसमें संघ के उन स्वयंसेवकों की भी झलक है, जो लगातार देश की सेवा में लगे हुए हैं और समाज को सशक्त बना रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिह्न है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि है, जिनके सामने संघ के स्वयंसेवक समर्पण भाव से नमन करते दिखाई देते हैं। यह पहली बार है जब भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर अंकित की गई है। सिक्के पर संघ का बोध वाक्य भी लिखा है।

वाणिज्य सचिव ने किया कॉफ़ी एक्सपो का उद्घाटन किया; कॉफ़ी निर्यात में दोगुनी वृद्धि

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय कॉफ़ी दिवस के अवसर पर यहां कॉफ़ी बोर्ड द्वारा आयोजित कॉफ़ी एक्सपीरियंस ज़ोन और एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत में कॉफ़ी वनों के साथ उगाई जाती है इस लिए यह उद्योग पारिस्थितिकी की दृष्टि से संतुलित है । उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत से कॉफ़ी निर्यात दोगुना हो गया है। श्री अग्रवाल ने कॉफ़ी की खेती के क्षेत्र में और अधिक विविधीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तेज़ी से बढ़ते मध्यम वर्ग के साथ, कॉफ़ी की घरेलू खपत में वृद्धि केवल समय की बात है। वाणिज्य सचिव ने यह भी कहा कि कॉफ़ी में मूल्यवर्धन हो रहा है और नए उद्यमी इंस्टेंट कॉफ़ी और स्पेशलिटी कॉफ़ी जैसे क्षेत्रों में इस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने निरंतर नवाचार और मूल्य संवर्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मसालों की भूमि होने के नाते, भारत में कॉफ़ी के क्षेत्र में नवाचार की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि कॉफ़ी निर्यात के अलावा, 'ब्रांड इंडिया' पर काम करना और देश को वैश्विक बाज़ार में मज़बूती से स्थापित करना भी महत्वपूर्ण है। यह आयोजन भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टेपा) के कार्यान्वयन के अवसर के साथ मेल खाता है। आज ही से लागू यह समझौता भारतीय कॉफ़ी को स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे और आइसलैंड के प्रीमियम बाज़ारों तक पहुँचने के नए अवसर प्रदान करने वाला है है।

टाटा कैपिटल का आईपीओ छह अक्टूबर को खुलेगा

अहमदाबाद। टाटा कैपिटल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) छह अक्टूबर को खुलेगा। कंपनी की ओर से मंगलवार को यहां जारी बयान में कहा कंपनी इक्विटी शेयरों के अपने आईपीओ के संबंध में बोली/प्रस्ताव सोमवार, छह अक्टूबर को खोलेगी। प्रस्ताव का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 310 से 326 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोलियां न्यूनतम 46 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 46 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती हैं। एंकर निवेशक बोली की तिथि शुक्रवार, तीन अक्टूबर होगी और बोली/प्रस्ताव बुधवार, आठ अक्टूबर को बंद हो जायेगा। यह आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 475,824,280 इक्विटी शेयरों तक का है, जिसमें 210,000,000 इक्विटी शेयरों तक का नया निर्गम और 265,824,280 इक्विटी शेयरों तक का बिक्री प्रस्ताव शामिल है।

रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने किसानों को उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विपणन सत्र 2026-27 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि कुसुम (600 रुपये प्रति क्विंटल) और मसूर (300 रुपये प्रति क्विंटल) में की गई है। रेपसीड और सरसों, चना, जौ और गेहूं के लिए क्रमशः 250, 225, 170 और 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विपणन सत्र 2026-27 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के लिए

S. No.	Crops	MSP RMS 2026-27	Cost of Production RMS 2026-27	Margin over cost (in percent)	MSP RMS 2025-26	Increase in MSP (Absolute)
1	Wheat	2585	1239	109	2425	160
2	Barley	2150	1361	58	1980	170
3	Gram	5875	3699	59	5650	225
4	Lentil (Masur)	7000	3705	89	6700	300
5	Rapeseed & Mustard	6200	3210	93	5950	250
6	Safflower	6540	4360	50	5940	600

एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की घोषणा के अनुरूप है। अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर अपेक्षित मार्जिन गेहूं के लिए 109 प्रतिशत है, इसके बाद रेपसीड और सरसों के लिए 93 प्रतिशत; मसूर के लिए 89 प्रतिशत; चना के लिए 59 प्रतिशत; जौ के लिए 58 प्रतिशत; और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है। रबी फसलों के एमएसपी में यह वृद्धि किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करेगी और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करेगी। सरकार के मुताबिक गेहूं की एमएसपी 160 रुपये बढ़कर 2,585 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। जौ का 170 रुपये बढ़कर 2,150 रुपये प्रति क्विंटल, चना का 225 रुपये बढ़कर 5,875 रुपये प्रति क्विंटल, मसूर का 300 रुपये बढ़कर 7,000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों एवं रेपसीड का 250 रुपये बढ़कर 6,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा सूरजमुखी का एमएसपी 600 रुपये की सर्वाधिक वृद्धि के साथ 6,540 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

केंद्रीय कर्मचारियों का डीए तीन प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) को 3

प्रतिशत बढ़ाकर 55 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह बढ़ोतरी एक जुलाई 2025 से लागू होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में वृद्धि के कारण सरकार पर कुल वार्षिक व्यय 10,083.96 करोड़ रुपये आएगा। इस निर्णय से लगभग 49.19 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 68.72 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे।

भारत और ईएफटीए के बीच लागू हुआ मुक्त व्यापार समझौता, रोजगार सृजन के नए अवसर खुलेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह (ईएफटीए) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) से लागू हो गया है। इस समझौते से व्यापार, निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर खुलेंगे, जिससे लोगों और व्यवसायों को लाभ होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि भारत-ईएफटीए के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) लागू होने से हमारे लोगों और व्यवसायों को लाभ होगा। पीयूष गोयल ने कहा कि साझा समृद्धि के लिए आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए हम साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौता व्यापार, निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर खोलेगा, जिससे लोगों और कंपनियों को लाभ होगा। उधर, स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की मंत्री हेलेन बुडलिगर ने एक बयान में कहा कि यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) में शामिल चार देशों और

भारत के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) लागू होने से द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। इस समझौते को लागू करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था। नई दिल्ली और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (जिसमें स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन शामिल हैं) के बीच हस्ताक्षरित व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) से 92.2 फीसदी भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष मार्च में हुए समझौते के प्रावधानों के तहत चारों देशों ने अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने का संकल्प लिया था।

लावारिस वित्तीय संपत्तियों के बारे में राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगी केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वित्तीय क्षेत्र में लावारिस संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगी।केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 4 अक्टूबर को गुजरात के गांधीनगर इस अभियान की शुरुआत करेंगी।अक्टूबर से दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान का शीर्षक आपकी पूंजी, आपका अधिकार होगा। इस अभियान के दौरान नागरिकों को अपनी बिना दावे वाली संपत्तियों का पता लगाने, रिकॉर्ड अपडेट करने और दावा प्रक्रिया पूरी करने के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग की ओर से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई), भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के तहत निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) के समन्वय से शुरू किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बीमा पॉलिसी के

दावे, बैंक जमा, लाभांश, शेयर और म्यूचुअल फंड की आय सहित बिना दावे वाली वित्तीय संपत्तियां अक्सर जागरूकता की कमी या पुराने खाता विवरण के कारण बिना दावे के ही रह जाती हैं। मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए डिजिटल उपकरण और इसके चरण-दर-चरण प्रदर्शन भी दिखाए जाएंगे। इस अवसर पर विशेष वित्तीय समावेशन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड और पेंशन संस्थानों के स्टॉल शामिल होंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये अभियान लोगों को इसमें प्रमुखता से भाग लेने, जागरूकता फैलाने और हर घर में वित्तीय समावेशन को मज़बूत करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह अभियान नागरिकों को उनके सही धन का पता लगाने और दावा करने के तरीके के बारे में स्पष्ट जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास करेगा।

शेयर बाजार में रौनक लौटी, सेंसेक्स ने लगाई 715 अंकों की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन लगातार आठ दिनों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों में जबरदस्त उछाल आया। सेंसेक्स 715.69 अंक उछल गया, जबकि 225 अंकों की तेजी रही।

इसके पीछे आरबीआई के रेपो रेट स्थिर रखने और आर्थिक वृद्धि दर अनुमान बढ़ने को अहम माना जा रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 715.70 अंक यानी 0.89 फीसदी उछलकर 80,983.31 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 800.81 अंक बढ़कर 81,068.43 अंकों पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 225.20 अंक यानी 0.92 फीसदी चढ़कर 24,836.30 के स्तर पर पहुंच

गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल प्रमुख कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा 5.54 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में तेजी रही। हालांकि, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रहा। वहीं, एशिया के अन्य शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, चीन के शेयर बाजार राष्ट्रीय दिवस की छुट्टी के कारण बंद रहे।विश्लेषकों ने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अनुकूल घोषणाओं के बाद बैंकों और वित्तीय शेयरों में हुई लिवाली ने बाजार को रफ्तार देने का काम किया।

आरबीआई के प्रमुख ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने और अपने विकास अनुमानों में वृद्धि के बाद बैंक और वित्तीय शेयरों में हुई खरीदारी से इसमें अछाल आया। उल्लेखनीय है कि पिछले आठ कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क का सेंसेक्स 2,746.34 अंक यानी 3.30 फीसदी गिरा, जबकि निफ्टी 812.5 अंक यानी 3.19 फीसदी गिरा है।

सितंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह नौ फीसदी बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह सितंबर महीने में सालाना आधार पर 9.1 फीसदी बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। पिछले महीने अगस्त में जीएसटी राजस्व संग्रह 6.5 फीसदी बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने के कारण बिक्री में वृद्धि से जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़ा है। सितंबर, 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर पांच फीसदी अधिक है। सितंबर, 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.73 लाख करोड़ रुपये और अगस्त, 2025 में यह 1.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। आंकड़ो के अनुसार सितंबर में सकल घरेलू राजस्व 6.8 फीसदी बढ़कर 1.36 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 15.6 फीसदी बढ़कर 52,492 करोड़ रुपये

पर पहुंच गया। जीएसटी 'रिफंड' भी सालाना आधार पर 40.1 फीसदी बढ़कर 28,657 करोड़ रुपये हो गया।देश में 22 सितंबर से लागू जीएसटी की दरों का असर जीएसटी आंकड़ों में दिखा है। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद 22 सितंबर से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों से लेकर मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं।

दुनिया में 500 अरब डॉलर की संपत्ति का आंकड़ा छूने वाले पहले व्यक्ति बने एलन मस्क

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति शाम 4:15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं।

आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी। टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा। मस्क के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने इस साल अपने मूल्यांकन में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जुलाई तक एक्सएआई का मूल्यांकन 75 अरब डॉलर था। वहीं, स्पेस एक्स की वैल्यूएशन करीब 400 अरब डॉलर पहुंच गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है।

एटीएफ की कीमत में तीन फीसदी का इजाफा, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में तीन फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी की है। तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक मानकों के अनुसार विमान ईंधन की कीमतों में यह संशोधन किया है। नई दरें लागू हो गई हैं। आईओसी की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 3,052.5 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 3.3 फीसदी बढ़कर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। एटीएफ के दाम में यह वृद्धि पिछले महीने 1.4 फीसदी यानी 1,308.41 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती के बाद हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एटीएफ की कीमत 84,832.83 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर

87,714.39 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। चेन्नई और कोलकाता में यह क्रमशः 96,816.58 रुपये और 97,302.14 रुपये प्रति किलोलीटर के भाव पर पहुंच गई। वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर इसकी कीमतें विभिन्न शहरों में अलग-अलग होती हैं। विमान ईंधन के मूल्य में की गई कटौती से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा। इनके ईंधन परिचालन लागत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा है। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल सकी है।

राजेश अग्रवाल ने वाणिज्य विभाग के सचिव का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी राजेश अग्रवाल ने नई दिल्ली में वाणिज्य विभाग के सचिव का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने सुनील बर्थवाल का स्थान लिया है, जो 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक मणिपुर कैडर के 1994 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश अग्रवाल को कौशल विकास, बिजली, उर्वरक, कृषि और एमएसएमई सहित विविध क्षेत्रों में शासन, नीति-निर्माण और कार्यान्वयन में तीन दशकों का अनुभव है। उन्होंने तीन वर्षों तक विश्व कौशल शासी परिषद में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और मणिपुर, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में क्षेत्रीय सुधारों को आगे बढ़ाया है।मंत्रालय ने कहा कि अपने वर्तमान कार्यभार से पहले अग्रवाल मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत विभिन्न देशों के साथ भारत की व्यापार वार्ताओं की देखरेख कर रहे थे। वे भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते, हिंद-प्रशांत आर्थिक मंच, भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग और आसियान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा के लिए मुख्य वार्ताकार थे। वे कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए निर्यात संवर्धन के भी प्रभारी थे।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को बेहतर बनाने की कवायद, नए प्रस्तावों पर जनता से मांगे सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को मजबूत करनाः लचीली, सुनिश्चित और पूर्वानुमानित पेंशन योजनाओं के लिए प्रस्ताव शीर्षक से एक विस्तृत परामर्श पत्र जारी किया है। इस प्रस?ताव में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रस्तावित सुधारों पर प्रतिक्रिया देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों को आमंत्रित किया गया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 30 सितंबर, 2025 को जारी इस दस्तावेज में एनपीएस ढांचे के तहत तीन नवीन पेंशन योजना विकल्पों की रूपरेखा दी गई है, जो ग्राहकों को सेवानिवृत्ति के बाद की आय में अधिक लचीलापन, आश्वासन और पूर्वानुमान प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। हितधारकों की टिप्पणियों के लिए निमंत्रण परामर्श पत्र पीएफआरडीए की वेबसाइट पर अनुसंधान एवं प्रकाशन टैब के अंतर्गत उपलब्ध है। इसका लिंक: https://pfrda.org.in/en/web/pfrda/w/consultation-paper है। मंत्रालय के मुताबिक पीएफआरडीए एनपीएस प्रतिभागियों, संभावित अंशधारकों, पेंशन फंड, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और आम जनता सहित सभी हितधारकों से प्रतिक्रिया मांग रहा है। प्राधिकरण इन योजनाओं के सफल विकास और कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावों की गहन समीक्षा और रचनात्मक सुझावों को प्रोत्साहित

करता है। इसमें हितधारकों से परामर्श पत्र में दिए गए फीडबैक टेम्पलेट का उपयोग करते हुए 31 अक्टूबर तक अपनी टिप्पणियां, इनपुट और फीडबैक प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है।

पेंशन योजना-1 (गैर-आश्वासित, लचीला विमुद्रीकरण): यह योजना स्टेप-अप सिस्टेमैटिक निकासी योजना (एसडब्ल्यूपी) और वार्षिकी के माध्यम से पेंशन राशि को अधिकतम करने पर केंद्रित है।

पेंशन योजना-2 (सुनिश्चित लाभ): यह एक सुनिश्चित लाभ योजना है, जो औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर आवधिक मुद्रास्फीति समायोजन के साथ लक्ष्य पेंशन प्रदान करने के लिए बनाई गई है।

पेंशन योजना-3 (पेंशन क्रेडिट): इस योजना में प्रत्येक क्रेडिट एक निश्चित मासिक पेंशन भुगतान का आश्वासन देता है तथा लक्ष्य-आधारित ढांचे के माध्यम से पूर्वानुमानशीलता और ग्राहक सहभागिता को बढ़ावा देता है।

'बांग्लादेश में हिंदुओं ने डर के बीच मनाई दुर्गा पूजा', शेख हसीना के बेटे ने जताई चिंता

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने आरोप लगाया है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने देश में कट्टरवाद को बढ़ावा दिया है, जिससे धार्मिक उत्पीड़न फिर से सक्रिय हो गया है। उन्होंने कहा कि इस साल हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय अपनी दुर्गा पूजा डर और असुरक्षा की भावना के बीच मना रहे हैं। सजीब वाजेद पूर्व में प्रधानमंत्री के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा भक्ति और उत्सव का समय है, यह त्योहार अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है। लेकिन इस वर्ष, हमारे हिंदू भाई-बहन बांग्लादेश में पूजा को भय और अनिश्चितता के माहौल में मना रहे हैं। यूनुस सरकार के तहत कट्टरपंथियों का उदय धार्मिक उत्पीड़न की पुरानी छाया को वापस ला रहा है। पूर्व सलाहकार ने यह भी बताया कि इस दौरान मंदिरों पर हमले हुए, परिवारों को धमकाया गया और स्वतंत्र रूप से पूजा करने का अधिकार एक बार फिर खतरे में है।वाजेद ने कहा कि वही कट्टरपंथी, जिन्होंने कभी बांग्लादेश की आज़ादी का विरोध किया था, अब और अधिक साहसिक हो गए हैं और 1971 के स्वतंत्रता संग्राम की भावना बनाए रखने वालों में आतंक फैला रहे हैं।

सूडान में आरएसएफ ड्रोन हमले में 8 नागरिकों की मौत, कई अन्य घायल

एल फशर । पश्चिमी सूडान के एल फशर शहर में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के ड्रोन हमले में कम से कम आठ नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हमला एक रिहायशी इलाके में किया गया। एल फाशर की कोऑर्डिनेशन ऑफ रेसिस्टेंस कमेटीज़ नामक स्वयंसेवी समूह ने बयान जारी कर कहा, नागरिक इलाकों पर मिलिशिया द्वारा तोपखाने और ड्रोन से हमले लगातार जारी हैं। आज हुए हमले में अल-दराजा अल-औला मोहल्ले में नागरिकों की भीड़ को निशाना बनाया गया, जिसमें आठ लोगों की जान गई और कई घायल हुए। एक चश्मदीद के अनुसार, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों को एल फशर के सऊदी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।÷ इस बीच, सूडानी सेना की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बयान जारी कर कहा कि उनकी इकाइयों और सहयोगी बलों ने शहर में घुसपैठ की कोशिश कर रही आरएसएफ टुकड़ी को घेरकर मार गिराया। सेना के अनुसार, हमले में बड़ी संख्या में विदेशी भाड़े के लड़ाके मारे गए, जिनमें ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियर भी शामिल थे।

वियतनाम में 'बुआलोई' से 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान, 34 लोगों ने गंवाई जान

हनोई । वियतनाम में तूफान बुआलोई और उसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जबकि 140 लोग घायल हो गए। इस प्राकृतिक आपदा में 20 लोग लापता हो गए। करीब 8.78 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (करीब 3,156 करोड़ रुपए) का आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया गया है। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक तूफान से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। 8,200 से ज्यादा बिजली के खंभे गिर गए और लगभग 27 लाख घरों की बिजली गुल हो गई, जबकि बाढ़ और भूस्खलन के कारण 3,000 से ज्यादा सड़कें ब्लॉक हो गईं। स्थानीय अधिकारी बिजली और दूरसंचार बहाल करने और प्रभावित निवासियों की सहायता के लिए नुकसान की रिपोर्ट बना रहे हैं। इससे पहले, 30 सितंबर को, वियतनामी प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने स्थानीय अधिकारियों और विभागों को प्रभावित निवासियों की सहायता और प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने का निर्देश दिया था। प्रधानमंत्रीने शोक संतप्त परिवारों, पार्टी संगठनों, प्रशासन और आपदाओं से हुए नुकसान और कठिनाइयों को झेल रहे निवासियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति भी व्यक्त की। उन्होंने जन समितियों के अध्यक्षों को आदेश दिया कि वे जल्द से जल्द अलग-थलग पड़े इलाकों में पहुंचने के लिए सेना और वाहन जुटाएं। क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत करवाएं और प्रभावित निवासियों के लिए आश्रयों की व्यवस्था करें। उन्होंने 5 अक्टूबर से पहले क्षतिग्रस्त शैक्षणिक और चिकित्सा सुविधाओं की मरम्मत कराने को कहा है।

ब्रिटेन में 130 फिलिस्तीन एक्शन समर्थकों पर आतंकवाद का लगा आरोप

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में प्रतिबंधित फिलीस्तीन समर्थक समूह 'फिलीस्तीन एक्शन' के 134 समर्थकों पर आतंकवादी संगठन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। लंदन पुलिस ने यह जानकारी दी है। इस समूह को ब्रिटेन में उस समय आतंकवादी संगठन घोषित किया गया था जब फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन जुलाई में शुरू किये गये थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कल एक बयान में कहा, कुल 20 और लोगों के खिलाफ आरोप लगाये गये है। मेट के आतंकवाद निरोधी कमान के अधिकारियों ने इन लोगों को गिरफ्तार किया और प्रतिबंधित समूह फिलिस्तीन एक्शन को समर्थन देने की संलिप्तता की जांच की जा रही है। इसके साथ ही लंदन में अब फिलिस्तीन एक्शन का समर्थन करने के अपराध में आरोपियों की कुल संख्या 134 हो गयी है। बयान में कहा गया है कि दोषी पाये जाने पर इन समर्थकों को छह माह की जेल की सजा दी जा सकती है।

फिलीपींस में भूकंप से अब तक 72 लोगों की मौत

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस में सिबू द्वीप के तट पर आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हो गई है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि की। मृतकों में ज्यादातर मध्य विसायास क्षेत्र के निवासी थे जहां भूकंप का सबसे अधिक प्रभाव देखा गया।

रिक्टर पैमाने पर 6.9 तीव्रता वाला यह भूकंप देश में 2013 के बाद से आए सबसे भीषण भूकंपों में से एक है। इससे पहले बोहोल द्वीप पर 7.2 तीव्रता वाले भूकंप में 222 लोगों की मौत हो गई थी। यह भूकंप समुद्र तल से केवल 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था जिसके कारण क्षेत्र में जानमाल के भारी नुकसान हुआ। इसके कारण बिजली की लाइनें टूट गईं, कई पुल और

सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं तथा कई इमारतें ध्वस्त हो गईं। इनमें एक 100 वर्ष पुराना ऐतिहासिक चर्च भी शामिल है जो स्थानीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता था। नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि बारिश और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचों के कारण राहत कार्यों में बाधा पहुंच रही है। टूटी हुई सड़कों और पुलों के कारण बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में असमर्थ हो रहे हैं जिससे लोगों को खोजने और घायलों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया धीमी हो गई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों तक ऐसे और झटको के आने की आशंका हैं। इस बीच स्थानीय सरकार और आपदा प्रबंधन टीमें प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, पानी और चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। राष्ट्रीय सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है और सेना को बचाव कार्यों में सहायता के लिए तैनात किया गया है।

क्वेटा के अघबार्ग इलाके में 10 बलोच लड़ाके मारे गए

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के अघबार्ग इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 बलोच लड़ाके मारे गए। अखबार डान ने आतंकवाद निरोधी विभाग(सीटीडी) के एक प्रवक्ता के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर मंगलवार रात साढ़े 11 बजे अघबार्ग इलाके में सीटीडी टीम ने एक संदिग्ध ठिकाने पर छापा मारा। टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी जिसके बाद लड़ाकों ने अपने बचाव में गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद

हुई मुठभेड़ के दौरान कम से कम 10 बलोच लड़ाके मारे गए। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद हुआ है जिसमें 15 किलो विस्फोटक, दो रॉकेट लॉन्चर, हथगोले और आत्मघाती जैकेट शामिल थे। गौरतलब है कि यह कार्रवाई फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय के पास हुए एक आत्मघाती हमले के एक दिन बाद हुई। आत्मघाती हमले में दस व्यक्ति मारे गए थे।

पीओके में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ आंदोलन दूसरे दिन भी रहा जारी

एजेंसी

तेल अवीव। गाजा में मानवीय सहायता ले जा रहे द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला नामक काफिले को इजरायल की नौसेना ने रोक दिया।47 छोटे जहाजों के काफिले में स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित काफी लोग सवार थे। इसराइली नौसेना ने ग्रेटा थनबर्ग को हिरासत में ले लिया। यह काफिला गाजा में लोगों के लिए खाद्य सामग्री और दवाइयां ले जा रहा है। द टाइम्स ऑफ इजराइल ने इसराइल के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया है कि इन नौकाओं को सुरक्षित तरीके से रोक कर इनमें सवार लोगों को इसराइल के एक बंदरगाह पर ले जाया जा रहा है। इसराइल का दावा है कि काफिले को अपना रास्ता बदलने के लिए कहा गया क्योंकि वे युद्ध क्षेत्र के पास जा रहे थे।मंत्रालय ने ग्रेटा थनबर्ग और उनके सहयोगियों के पूरी तरह सुरक्षित होने का दावा किया। इजराइल ने एक्स पोस्ट में आरोप लगाया है कि हमास और सुमुद फ्लोटिला का इकलौता उद्देश्य

इजराइल को उकसाना है। इजराइल, इटली, ग्रीस ने फ्लोटिला को गाजा में शांतिपूर्ण ढंग से मानवीय मदद पहुंचाने का प्रस्ताव दिया लेकिन फ्लोटिला की सहायता नहीं बल्कि उकसावे में दिलचस्पी है। इजराइली नौसेना ने हमास-सुमुद फ्लोटिला से संपर्क कर उन्हें अपना रास्ता बदलने के लिए कहा। इजराइल ने फ़्लोटिला को सूचित किया है कि वह एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र के निकट पहुँच रहा है और वैध नौसैनिक नाकाबंदी का उल्लंघन कर रहा है। इजराइल ने सुरक्षित माध्यमों से गाजा तक किसी भी सहायता को शांतिपूर्ण ढंग से पहुँचाने की अपनी पेशकश दोहराई है।

पीओके में गोलीबारी में 8 लोगों की मौत

एजेंसी

मुज्जफराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ लगातार तीसरे दिन बुधवार को जारी हिंसक प्रदर्शनों में सुरक्षाबलों की गोलीबारी में कम से कम आठ नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीओके में जम्मू कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) की अगुआई में चल रहे विरोध प्रदर्शनों ने पिछले 72 घंटों में आम जनजीवन ठप कर दिया है।

सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़प में बाग जिले के धीरकोट में चार लोगों की मौत हो गई जबकि मुजफ्फराबाद और मीरपुर में दो-दो लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आज सुबह प्रदर्शनकारियों ने मुजफ़्फ़राबाद की ओर जाने वाले उनके प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलों पर रखे गए बड़े शिपिंग कंटेनरों पर पत्थर फेंके और उन्हें पलट दिया जिससे वे नदी में गिर गए। पीओके में पूरी तरह से लॉकडाउन लागू है जिसके चलते

इंटरनेट सेवाएँ भी बंद कर दी गई हैं।बाज़ार, दुकानें और स्थानीय व्यवसाय बंद हैं और परिवहन सेवाएं निलंबित हैं। इस बीच जेकेजेएएसी नेता शौकत नवाज़ मीर ने कहा, हमारा अभियान 70 से ज़्यादा वर्षों से हमारे लोगों को वंचित रखे गए मौलिक अधिकारों के लिए है। या तो अधिकार दिलाएं या जनता के गुस्से का सामना करें। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के प्रशासन को चेतावनी दी कि बुधवार का हमला सिर्फ़ प्लान ए था जिससे संकेत मिलता है कि यह अभी बहुत आगे जाएगा।

यूक्रेन के ओडेसा में भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में नौ की मौत

एजेंसी

ओडेसा। यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई जिसके कारण घर, सड़कें और बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हो गया है। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार भारी बारिश ने ओडेसा शहर और आसपास के इलाकों में नदियों और जल निकासी प्रणालियों में पानी को उफान पर ला दिया जिससे सड़के जलमग्न हो गईं और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। ओडेसा क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह किपर ने एक बयान में कहा, ÷हमने अब तक नौ लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है जबकि कई अभी भी लापता हैं। बचाव दल दिन-रात

काम कर रहे हैं लेकिन तेज बहाव और मलबे के कारण राहत कार्यों में बाधा आ रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ ने ओडेसा के निचले इलाकों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सड़कों पर कंधों तक भरे पानी के बीच आपातकालीन कर्मचारियों को लोगों को बचाने के लिए नावों का उपयोग करते दिखाया गया है।

इस बीच यूक्रेन के मौसम विभाग ने बताया कि ओडेसा में पिछले चौबीस घंटो के दौरान 150 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई जो सामान्य मासिक औसत से कहीं अधिक है। स्थानीय पर्यावरणविद् नतालिया होज़दा ने कहा, ÷हमारी जल निकासी प्रणालियां ऐसी भारी बारिश का सामना करने के लिए तैयार नहीं हैं। हमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता भेजने का वादा किया। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, ÷हम ओडेसा के लोगों के साथ हैं। सरकार राहत और पुनर्वास के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

पेरिस में दक्षिण अफ्रीकी राजदूत की संदिग्ध मौत, आत्महत्या का शक

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में दक्षिण अफ्रीकी राजदूत नकोसिनाथी इमैनुएल मथेथवा का शव पोर्टे मायो क्षेत्र स्थित हयात रीजेंसी होटल के बाहर मिला। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। फ्रांसीसी अभियोजक कार्यालय के मुताबिक इस बात के संकेत मिले हैं कि 58 वर्ष मथेथवा ने होटल के 22वें माले के कमरे की खिड़की से कूदकर आत्महत्या की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार शाम को मथेथवा ने अपनी पत्नी को आत्महत्या का इरादा बताते हुए माफी मांगने वाला संदेश भेजा था। पत्नी ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मथेथवा ने होटल रूम एक सप्ताह पहले बुक किया था। वह दिसंबर 2023 से फ्रांस में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत के तौर पर कार्यरत थे। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने जोहान्सबर्ग में घटना पर गहरा शोक जताते हुए कहा, उनकी असामयिक मौत ने राष्ट्र को गहरा सदमा दिया है। विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने एक्स पर अपने शोक संदेश में इसे राष्ट्रीय क्षति बताया है। मथेथवा नेशनल कलर्ड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

थे। वह पुलिस मंत्री, खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री और 2010 में फुटबॉल विश्व कप आयोजन समिति के सदस्य रह चुके थे। इस बीच फ्रांस में पुलिस उनके अवसाद में होने के अलावा अन्य कारणों की जांच भी कर रही है। दक्षिण अफ्रीकी दूतावास ने दिवगंत राजनयिक के शव को जोहान्सबर्ग ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

संघीय बजट को लेकर ट्रंप को झटका, अमेरिका में शटडाउन का संकट गहराया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में संघीय बजट के पास नहीं होने के कारण सरकार को शटडाउन का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले अहम घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीनेट से फंडिंग बिल को पास नहीं करवा पाए। मंगलवार देर रात बिल पर मतदान में समर्थन में 55 और विरोध में 45 वोट पड़े। इसे पास कराने के लिए 60 वोटों की जरूरत थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप की पार्टी को सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास कराने के लिए कम से कम 60 वोटों की जरूरत थी लेकिन सिर्फ 55 वोट ही जुट पाए। सरकारी खर्चे वाले विधेयक को पारित कराने के लिए रिपब्लिकन पार्टी को कम से कम सात डेमोक्रेट सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। ऐसे में यह प्रस्ताव गिर गया है। सौ सदस्यों वाली सीनेट में 53 रिपब्लिकन, 47 डेमोक्रेट

और 2 निर्दलीय सांसद हैं। फंडिंग से जुड़े बिल को पास कराने के लिए 60 वोट जरूरी होते हैं। 1.7 लाख करोड़ डॉलर का बजट इस संकट का सबब बना है, इस बजट से संघीय एजेंसियों का संचालन होता है। यह अमेरिकी बजट का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। इससे जुड़े प्रस्ताव के गिरने के बाद ट्रंप प्रशासन के पास जरूरी फंडिंग नहीं होगी। इस स्थिति में कई संघीय कामकाज रुक सकता है। अमेरिकी कानून के तहत जब तक बजट या अस्थायी फंडिंग बिल पास नहीं होता तब तक कई गैर-जरूरी सरकारी विभागों और सेवाओं को बंद करना पड़ता है। जिसे शटडाउन कहा जाता है। अमेरिका में 01 अक्तूबर से नया वित्त वर्ष लागू होता है। फंडिंग बिल के पास नहीं होने की स्थिति में शटडाउन शुरू होने पर सरकारी कर्मचारियों में से 40 फीसदी यानी लगभग 8 लाख कर्मियों को बिना वेतन छुट्टियों पर भेजा जा सकता है। सात साल बाद यह पहला मौका होगा, जब फंड की कमी की वजह से अमेरिका में कई सेवाएं प्रभावित होंगी। 2018 में ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी शटडाउन 34 दिनों तक चला था। पिछले 50 वर्षों में फंडिंग बिल अटकने की वजह से अमेरिका में 20 बार शटडाउन हुआ।

ईरान के जवाबी हमले में कम से कम 16 इजराइली पायलट मारे गए

एजेंसी

तेहरान। ईरान के जवाबी हमले में कम से कम 16 इजराइली पायलट मारे गए हैं। यह दावा ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य सलाहकार ने किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामिक रिवोल्यूशन के नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मेजर जनरल राहिम सफवी ने कहा कि युद्ध के दौरान इजराइली कब्जे वाले क्षेत्रों पर 500 से अधिक मिसाइलें दागी गईं।

इन हमलों ने हाइफा और अन्य क्षेत्रों में इजरायली प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया। इनमें कम से कम 16 इजरायली पायलट मारे गए। ईरानी मिसाइलों ने इजराइल की रिफाइनरियों, बिजली संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को भी निशाना बनाया। सफवी ने कहा कि कुछ मिसाइलों का प्रभाव इतना व्यापक था कि जिसके कारण भूकंप

जैसी स्थिति पैदा हो गई और विनाश का दायरा तीन किलोमीटर तक फैला है। उन्होंने कहा कि ईरानी सैन्य बल भविष्य में किसी भी संभावित संघर्ष के लिए तैयार है। इस बीच ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी कि देश के खिलाफ किसी भी आक्रामकता का करारा जवाब दिया जाएगा। ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हर कदम उठाने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि 13 जून को किए गए इजराइली हमले में ईरान के 1000 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिसमें सैन्य कमांडर, वैज्ञानिक भी शामिल थे।

दक्षिण अफ्रीका के राजदूत पेरिस होटल के नीचे मृत पाये गये

एजेंसी

पेरिस। दक्षिण अफ्रीका के राजदूत नकोसिनथी इमैनुएल नाथी मथेथ्वा फ्रांस के पेरिस होटल के नीचे मृत पाये गये हैं। इस हादसे के बाद फ्रांस के वकील उनकी मौत की कड़ियों को जोड़ने के लिये सबूत जुटाने में लगे हुये हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, शुरुआती जांच में अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को श्री मथेथ्वा पेरिस के ऊंचे होटल से नीचे गिर गये थे। इससे कुछ ही घंटों पहले उन्होंने अपनी पत्नी को एक परेशान करने वाला संदेश भेजा था कि वह आत्महत्या करने की योजना बना रहे हैं। श्री मथेथवा ने दिसंबर 2023 में फ्रांस में दक्षिण अफ्रीका के दूत के रूप में सेवा शुरू की थी । वह खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी काफी सक्रिय थे। उन्होंने छात्र जीवन के दौरान रंगभेद के विरुद्ध अभियान में जोरशोर से हिस्सा लिया था। वह अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) पार्टी के सदस्य भी रहे जिसने दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की स्थापना के लिये लड़ाई लड़ी थी। श्री मथेथ्वा सांसद भी रहे थे और 2010 के फीफा वर्ल्ड कप स्थानीय आयोजक समिति के बोर्ड के निदेशक भी रहे। सार्वजनिक सेवा में शानदार करियर के बावजूद उन पर भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोप भी लगे थे, जिसका उन्होंने अपने जीवनकाल में बार-बार खंडन भी किया।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा के सहयोगी श्री मथेथ्वा कई आयोगों की जाँच में फंसे हुये थे।

अफगानिस्तान:20 किलो अफीम के साथ दो तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत की पुलिस ने 20 किलो अफीम के साथ दो लोगों को हिरासत में लिया है। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता गुलाम नबी बबीजादा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि कथित ड्रग तस्कर 20 किलो अफीम बेचने में व्यस्त थे, तभी पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने आगे बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों को पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारी के मुताबिक पुलिस किसी को भी प्रांत में अवैध ड्रग्स का उत्पादन या तस्करी करने की अनुमति नहीं देगी।

24 सितंबर को, एक प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने कहा था कि पुलिस ने दक्षिणी अफगानिस्तान के उरुजगान प्रांत में अवैध तरीके से चलाई जा रही दो ड्रग प्रोसेसिंग प्रयोगशालाओं को जांच के बाद नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, मादक पदार्थ निरोधक

पुलिस ने चारचिनो और चोरी जिलों में विशिष्ट स्थानों पर छापेमारी की और दो ड्रग प्रोसेसिंग प्रयोगशालाओं को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि पुलिस ने हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली 3 टन से ज्यादा अवैध वस्तुओं की भी खोज कर उन्हें आग लगा दी। बयान में आगे कहा गया है कि पुलिस ने ड्रग कारोबार में शामिल होने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में भी लिया और प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले, अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में, पुलिस ने उत्तरी बगलान और पूर्वी गजनी प्रांतों में 210 किलोग्राम अफीम बरामद की और चार कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एहसानुल्लाह कामगर ने बताया कि 16 सितंबर को पुलिस ने अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में एक मादक पदार्थ प्रसंस्करण प्रयोगशाला का पता लगाया और पांच लोगों को हिरासत में लिया। एक गुप्त सूचना के आधार पर, मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने सोमवार सुबह दारयम जिले में एक जगह पर छापा मारा और 170 किलोग्राम प्रोसेस्ड अफीम के साथ एक मादक पदार्थ प्रोसेसिंग प्रयोगशाला का पता लगाया। अधिकारी ने बताया कि मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। अफगान सरकार ने पिछले कुछ महीनों से मादक पदार्थों के खिलाफ अपने राष्ट्रव्यापी अभियान को तेज कर दिया है, जिसमें तस्करों, उत्पादकों और उत्पादन नेटवर्क पर सीधा वार किया जा रहा है। सरकार ने अफीम की खेती और हेरोइन निर्माण को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प भी लिया है।

जिलाभर में मनाया गया असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयदशमी पर्व, रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले जलाए गए

कठुआ, 02 अक्टूबर (हि.स.)। शारदीय नवरात्रि के दसवें दिन दशहरा पर्व हिंदू धर्म में बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयदशमी का पर्व जिलाभर में धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। विभिन्न स्थानों पर रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले जलाए गए।

जिला मुख्यालय पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामलीला मैदान में रामलीला का आयोजन किया गया यहां रामलीला मंचन के अंतिम दृश्य दर्शाए गए। जिसमें युद्ध संबंधी झांकियां प्रस्तुत की गई। वहीं रावण दहन कार्यक्रम के चलते काफी भीड़ रामलीला मैदान में देखी गई। यही नहीं पारंपरिक तरीके से यहां मेले का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने यहां खिलौने और विभिन्न प्रकार के पकवान आदि की खरीदारी की। वहीं जिला पुलिस की ओर से सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस कर्मियों के साथ-साथ अतिरिक्त सुरक्षा बलों के बीच रामलीला मैदान के आसपास तैनाती की गई थी। रामलीला मंचन के बाद रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों को जलाया गया। इस मौके पर कठुआ के विधायक डॉ भारत भूषण, पूर्व सांसद चैधरी लान सिंह, पूर्व नप अध्यक्ष नरेश शर्मा, भाजपा युवा नेता गोपाल महाजन, रामलीला कमेटी के सदस्य सहित अन्य भी मौजूद रहे।

उधमपुर में दशहरा बड़े उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया

उधमपुर 02 अक्टूबर। देश के अन्य हिस्सों की तरह, देर शाम स्पोर्ट्स स्टेडियम उधमपुर में दशहरा बड़े उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय मुख्य अतिथि के

रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन दशहरा उत्सव समिति द्वारा किया गया था।

इस भव्य समारोह को देखने के लिए हज़ारों लोग उमड़ पड़े, जहाँ बुराई पर सत्य की शाश्वत विजय के प्रतीक रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इस अवसर पर परिथत प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में उधमपुर पश्चिम के विधायक पवन कुमार गुप्ता, उधमपुर पूर्व के विधायक आर.एस. पठानिया, अतिरिक्त उपायुक्त प्रेम सिंह, दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह सलाथिया के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में उत्साही लोग शामिल थे।

समारोह के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, जिला प्रशासन ने सुरक्षा तैनाती, बैरिकेडिंग, निर्बाध बिजली आपूर्ति, पेयजल सुविधाएं, चिकित्सा सहायता और एम्बुलेंस की उपस्थिति सहित व्यापक व्यवस्था की, ताकि स्पोर्ट्स स्टेडियम उधमपुर में समारोह सुरक्षित और सफल हो सके।

राजौरी में दशहरा उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया

राजौरी 02 अक्टूबर। राजौरी जिले में दशहरा का त्यौहार अपार उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखी गई। राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने दशहरा मैदान में आयोजित समारोह में भाग लिया और लोगों को इस पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में, उपायुक्त ने असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय के एक चिरस्थायी प्रतीक के रूप में इस त्यौहार के महत्व पर ज़ोर दिया और नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में इन मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में राजौरी के अतिरिक्त उपायुक्त चंद्र प्रकाश, सहायक आयुक्त राजस्व मोहम्मद जहाँगीर खान और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, रावण के पुतले का पारंपरिक दहन और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने हर्ष, भक्ति और एकता के वातावरण में नवरात्रि के समापन को चिह्नित किया। उत्सव के सुचारू संचालन के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पर्याप्त सुरक्षा एवं व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

धनिया

मसालों वाली फसलों में महत्वपूर्ण स्थान

धनिया मसालों वाली फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इसके दानों में पाये जाने वाले वाष्पशील तेल के कारण यह भोज्य पदार्थों को स्वादिष्ट एवं सुगन्धित बनाती है। भारत में इसकी खेती मुख्यत: राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा कर्नाटक में की जाती है। धनिया के कुल उत्पादन का एक बड़ा भाग श्रीलंका, जापान, सिंगापुर, ब्रिटेन, अमेरिका व मलेशिया को भेजा जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा की आय होती है।

इसके साबूत दाने या पीस कर अचार, सास और मिठाईयों आदि खाद्य पदार्थों को सुगन्धित करने के काम में लेते हैं। वाष्पशील तेल से सुगन्धित द्रव्य व खुशबूदार साबुन बनाये जाते हैं। इसके अलावा यह तेल, चॉकलेट, कैण्डी, सीलबन्द भोज्य पदार्थों, सूप व मदिरा को सुगन्धित करने में प्रयुक्त होता है।

इसकी पत्तियाँ एवं मुलायम तने चटनी बनाने तथा शाक-भाजी व सूप सलाद को स्वादिष्ट में सहायक है। यदि कृषक इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते है। इस लेख में धनिया की उन्नत खेती कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख है ।

धनिया की खेती के लिए शुष्क व ठंडा मौसम अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिये अनुकूल होता है। बीजों के अंकुरण के लिय 25 से 26 सेंटीग्रेट तापमान अच्छा होता है। धनिया शीतोष्ण जलवायु की फसल होने के कारण फूल तथा दाना बनने की अवस्था पर पाला रहित मौसम की आवश्यकता होती है। धनिया को पाले से बहुत नुकसान होता है। धनिया बीज की उच्च गुणवत्ता और अधिक वाष्पशील तेल के लिये ठंडी जलवायु, अधिक समय के लिये तेज धूप, समुद्र से अधिक ऊचाई और ऊचहन भूमि की आवश्यकता होती है।

धनिया की सिंचित फसल के लिये अच्छे जल निकास वाली अच्छी दोमट भूमि सबसे अधिक उपयुक्त होती है तथा असिंचित फसल के लिये काली भारी भूमि अच्छी होती है। धनिया क्षारीय एवं लवणीय भूमि को सहन नही करता है। अर्थात अच्छे जल निकास एवं उर्वरा शक्ति वाली दोमट या मटियार दोमट भूमि उपयुक्त होती है। मिट्टी का पी एच मान 6.5 से 7.5 होना चाहिए।

सिंचित क्षेत्र में अगर जुताई के समय भूमि में पर्याप्त जल न हो तो भूमि की तैयारी पलेवा देकर करनी चाहिए। जिससे जमीन में जुताई के समय ढेले भी नही बनेगें तथा खरपतवार के बीज अंकुरित होने के बाद जुताई के समय नष्ट हो जाऐगे। बारानी फसल के लिये खरीफ फसल की कटाई के बाद दो बार आड़ी-खड़ी जुताई करके तुरन्त पाटा लगा देना चाहिए।

हमारे देश में उपलब्ध धनिया की किस्मों को तीन प्रकार में बांटा जा सकता है, जैसे-

बीज वाली किस्में- इन किस्मों का उपयोग बीज मसाले में किया जाता है। इनके बीज अधिक सुगन्धित होते है, क्योंकि इनमें तेल की मात्रा भी अधिक होती है, जैसे- आर सी आर- 20, स्वाति, साधना, राजेन्द्र और सी एस- 28। आदि प्रमुख है।

पत्ते वाली किस्में- इन किस्मों के हरे पत्ते काटकर उपयोग में लाए जाते है, जैसे- आर सी आर- 41 और गुजरात धनिया- 2 आदि, ये किस्में पत्तों से सुगन्ध देती है।

दोहरे उपभोग की किस्में- इस प्रकार की किस्में दाने और पत्ते दोनों के लिए उगाई जाती है, जैसे- को- 02, को- 03 और पूसा चयन-360 आदि। यह किस्में लम्बी अवधि की होती है। पत्तों की तीन कटाई के बाद इन्हें बीज पकने के लिए छोड़ दिया जाता है।

धनिया की फसल रबी मौसम में उगाई जाती है। धनिया बोने का सबसे उपयुक्त समय 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर है। धनिया की सामयिक बोनी लाभदायक है। दोनों के लिये धनिया की बुआई का उपयुक्त समय नवम्बर का प्रथम पखवाड़ा हैं। हरे पत्तों की फसल के लिये अक्टूबर से दिसम्बर का समय बिजाई के लिये उपयुक्त हैं। पाले से बचाव के लिये धनिया को नवम्बर के द्वितीय सप्ताह में बोना उपयुक्त होता है।

सिंचित अवस्था में 15 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा असिंचित में 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है।

भूमि एवं बीज जनित रोगों से बचाव के लिये बीज को कार्बेन्डाजिम + थाइरम (2.1) 3 ग्राम प्रति किलोग्राम या कार्बोक्जिन 3।.5 प्रतिशत + थाइरम 37.5 प्रतिशत 3 ग्राम प्रति किलोग्राम + ट्राइकोडर्मा विरिडी 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बीज जनित रोगों से बचाव के लिये बीज को स्ट्रेप्टोमाईसिन 500 पी पी एम से उपचारित करना लाभदायक रहता है।

बोने के पहले धनिया बीज को सावधानीपूर्वक हल्का रगड़कर बीजो को दो भागो में तोड़ कर दाल बनावें। धनिया की बोनी सीड ड्रील से कतारों में करें, कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर एवं पौधे से पौधे की दूरी ।

से 10 सेंटीमीटर रखें। भारी भूमि या अधिक उर्वरा भूमि में कतारों की दूरी 40 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। धनिया की बुवाई पंक्तियों में करना अधिक लाभदायक है। कूड में बीज की गहराई 2 से 4 सेंटीमीटर तक होनी चाहिए। बीज को अधिक गहराई पर बोने से अंकुरण कम होता है।

धनिया की अच्छी पैदावार लेने के लिए गोबर खाद 20 टन प्रति हेक्टेयर के साथ असिंचित फसल के लिए 40 किलोग्राम नत्रजन, 30 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से तथा सिंचित फसल के लिए 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश और 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें।

असिंचित अवस्था में उर्वरकों की संपूर्ण मात्रा आधार रूप में देना चाहिए। सिंचित अवस्था में नाइट्रोजन की आधी मात्रा एवं फास्फोरस, पोटाश एवं जिंक सल्फेट की पूरी मात्रा बोने के पहले अंतिम जुताई के समय देना चाहिए। नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा खड़ी फसल में टाप ड्रेसिंग के रूप में प्रथम सिंचाई के बाद देनी चाहिए। खाद हमेशा बीज के नीचे देवें, खाद और बीज को मिलाकर बुवाई नही करें। धनिया की फसल में एजेंटोबेक्टर एवं पीएसबी कल्चर का उपयोग 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 50 किलोग्राम गोबर खाद में मिलाकर बोने के पहले डालना लाभदायक रहता है।

अंतर्वर्तीय फसलें

चना धनिया, (10:2), अलसी धनिया (6:2), कुसुम धनिया (6:2), धनिया गेहूँ (8:3) आदि अंतर्वर्तीय फसल पद्धतियां उपयुक्त पाई गई है। गन्ना धनिया (1:3) अंतर्वर्तीय फसल पद्धति भी लाभदायक पाई गई है।

धनिया-मूग, धनिया-भिण्डी, धनिया-सोयाबीन , धनिया-मक्का आदि, फसल चक्र लाभ दायक पाये गये हैं।

धनिया में पहली सिंचाई 30 से 35 दिन बाद (पत्ति बनने की अवस्था) दूसरी सिंचाई 50 से 60 दिन बाद (शाखा निकलने की अवस्था), तीसरी सिंचाई 10 से 80 दिन बाद (फूल आने की अवस्था) तथा चौथी सिंचाई 90 से 100 दिन बाद (बीज बनने की अवस्था) करना चाहिऐ। हल्की जमीन में पांचवी सिंचाई 105 से 110 दिन बाद (दाना पकने की अवस्था) करना लाभदायक रहता है।

धनिया फसल में खरपतवार प्रतिस्पर्धा की क्रांतिक अवधि 35 से 40 दिन है। इस अवधि में खरपतवारों की निंदाई नहीं करने पर धनिया की उपज 40 से 45 प्रतिशत कम हो जाती है। धनिया फसल में खरपतवरों की अधिकता होने पर खरपतवारनाशी पेंडिमीथालिन 30 ई सी 3 लीटर को 600 से 100 पानी में मिलकर प्रति हेक्टेयर बुवाई के 2 दिन तक छिडकाव कर के नियंत्रण पाया जा सकता है।

माहु/चेपा (एफिड)- धनिया में मुख्यत: माहू चेपा रसचूसक कीट का प्रकोप होता है। इस कीट के हल्के हरे रंग वाले शिश व प्रौढ़ दोनो ही पौधे के तनों, फूलों एवं बनते हुए बीजों जैसे कोमल अंगो का रस चूसते हैं।

नियंत्रण- रोकथाम के लिए आक्सीडेमेटान मिथाइल 25 ई सी 1.5 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी या डायमेथियोट 35 ई सी 2 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड 1।.8 ई सी 0.25 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी की दर से छिडकाव करे।

उकठा/उगरा (विल्ट)- उकठा रोग फ्यूजेरियम आक्सीस्पोरम एवं फ्यूजेरियम कोरिएन्ड्री कवक के द्वारा फैलता है। इस रोग के कारण पौधे मुरझाकर सूख जाते है।

नियंत्रण

1. ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें एवं उचित फसल चक्र अपनाएं।
2. बीज की बुवाई नवम्बर के प्रथम से द्वितीय सप्ताह में करें।
3. बुवाई के पूर्व बीजों को कार्बोन्डिजम 50 डब्ल्यू पी 3 ग्राम प्रति किलोग्राम या ट्रायकोडरमा विरडी 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
4. उकठा के लक्षण दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या हेक्जाकोनोजॉल 5 ईसी 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या मेटालेक्जिल 35 प्रतिशत 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या मेटालेक्जिल मेंकोजेब- 12 एम जेड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

तनाव्रण/तना सूजन/तना पिटिका (स्टेमगॉल)- यह रोग प्रोटामाइसेस मेक्रोस्पोरस कवक के द्वारा फैलता है। रोग के कारण फसल को अत्यधिक क्षति होती है। पौधो के तनों पर सूजन हो जाती है। तनों, फूल वाली टहनियों एवं अन्य भागों पर गांठे बन जाती है।

नींबू की उन्नत बागवानी

नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी, भारत में उगाये जाने वाले फल वृक्षों में अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं, जो कि विभिन्न प्रकार की भूमि और जलवायु में उगाये जा सकते हैं। नींबू वर्गीय फलों के अन्तर्गत नारंगी, सन्तरा, कागजी नीबू, लैमन, ग्रेपफूट, चकोतरा आदि फल आते हैं। नींबू वर्गीय फलों का व्यवसायिक और अन्य गुणों की दृष्टि से विशेष महत्व है।

भारत के मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ पर्वतीय क्षेत्रों के घाटी और मध्यम ऊँचाई के स्थानों में नींबू वर्गीय फलों का उत्पादन व्यवसायिक रूप से किया जाता है। नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी गुणवत्तायुक्त उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए उद्यानों में वार्षिक कार्यक्रम चलाया जाना अति आवश्यक है, जिससे पोषण प्रबन्धन और कीटों, रोगों व विकारों का सामयिक प्रबन्धन करके नींबू वर्गीय फलों का गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

केन्द्रीय नींबू वर्गीय फल कृषि अनुसंधान और अन्य शोध संस्थानों द्वारा प्रदान की गयी नवीनतम वैज्ञानिक संस्तुतियों के आधार पर नींबू वर्गीय फलों की बागवानी का वार्षिक कार्यक्रम निम्नवत् प्रस्तुत किया जा रहा है -

जनवरी : 1. सिट्रस सिला कीट डाई बैक और ग्रिनिंग' रोग फैलाने में सक्षम है, जिससे पेड़ धीरे-धीरे सूखकर मर जाते हैं। इस कीट के नियन्त्रण के लिये डायमेथोएट 2 मिलीलीटर या एसिफेट 2 ग्राम या इमिडाक्लोरोपिड 0.50 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

2. फाइटोपथोरा जनित गमोसिस रोग के नियन्त्रण के लिए वृक्ष के तने के ग्रसित भाग को जहाँ से गोंद का स्त्राव हो रहा है, को तेज छुरी से छीलने के पश्चात् पोटेशियम परमेगनेट द्रव 10 ग्राम प्रति लिटर पानी से धोकर तने पर मेफेनोक्जॉम एम जेड 68 (मेटालेक्जील 4 प्रतिशत, मेंकोजेब 64 प्रतिशत डब्लूपी) या फोसाटील एएल का पेस्ट लगायें।

3. नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी हेतु वृक्षों पर थावले बनायें, पेड़ के नीचे की झुरियों को निकाल दें एवं प्रत्येक वृक्ष की आयु के अनुसार संस्तुत मात्रा में खाद और उर्वरक प्रबन्धन करें। इसके अलावा वृक्ष की जड़ से ऊपर की ओर कम से कम 2 फीट तक चूने का लेप अवश्य लगायें। वृक्षों की पुनिंग करें, सूखी और गुच्छे के रूप में विकसित टहनियों को काट दें तथा कटे हुए स्थान पर चौबटियाँ पेस्ट का लेप अवश्य करें।

फरवरी : 1. सिट्रस सिला कीट का प्रकोप होने पर नियन्त्रण के लिए इमिड़ा 0.5 मिलीलीटर या एबामेक्टीन 0.42 मिलीलीटर या डायमेथोएट 2 मिलीलीटर एक लिटर पानी में अच्छी तरह से मिलाकर वृक्षों पर छिड़काव करें। पत्ती वेधक इल्ली (लीफ माइनर) के नियन्त्रण के लिये फेनवलरेट 20 ईसी एक मिलीलीटर प्रति लिटर पानी का छिड़काव करें।

2. एफिड के प्रकोप के नियन्त्रण के लिये ड्रायमेथोएट 1.5 मिलीलीटर या क्युनालफॉस 1.5 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें, अगर कीट का प्रकोप फिर भी है तब दूसरा छिड़काव एक सप्ताह के बाद करें।

मार्च : 1. फाइटोपथोरा जनित गमोसिस रोग के नियन्त्रण के लिए जनवरी महीने में दी गयी संस्तुति का अनुसरण करें।

2. सिट्रस सिला और पत्ती वेधक इल्ली (लीफ माइनर) के नियन्त्रण के लिए फरवरी महीने में दी गयी संस्तुति का अनुसरण करें।

3. नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी के लिए जिन स्थानों पर सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ नमी का संरक्षण, खरपतवार नियन्त्रण 10 से 15 सेंटीमीटर मोटी पलवार बिछाकर करना चाहिए।

अप्रैल : 1. सिट्रस माईट का प्रकोप होने की अवस्था में पत्तियों पर धूल पसरी जैसी दिखती है, लेकिन इसमें अनगिनत प्रौढ़ और शिशु रस चुसते दिखते हैं। इसके नियन्त्रण के लिये डायकोफाल 2 मिलीलीटर या प्रोपरगाईट 1 मिलीलीटर या एबामेक्टीन 0.3। मिलीलीटर या ईथिऑन 2 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी में मिश्रण तैयार करके छिड़काव करें।

2. नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी हेतु छोटे व नवरोपित पौधों की एक सप्ताह के अन्तराल पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। जिन स्थानों पर सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ नमी का संरक्षण, खरपतवार नियन्त्रण 10 से 15 सेंटीमीटर मोटी सुखी पलवार बिछाकर करना चाहिए।

मई : 1. छाल खानेवाली इल्ली का प्रकोप बगीचों में देखने को मिलता है। यह कीट अस्वच्छ बगीचों में अधिक दिखाई देते हैं।

रात्रि के समय कीट दो डालियों के बीच के छिद्र से बाहर निकलकर छाल खाता है। ग्रसित पेड़ों की आयु एवं उत्पादन क्षमता कम हो जाती है। नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी के लिए नियन्त्रण ग्रसित भाग पर से जाले निकालकर नलिका के आस-पास के भाग को साफ करने के बाद कीट नाशक डायक्लोरोवास 5 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी में मिश्रण बनाकर छिद्र में डिस्पोजेबल सिरिंज से डालें और छेद को रूई से अच्छी तरह बन्द कर दें।

2. मिलिबग के नियन्त्रण के लिये वृक्ष के तने के चारो ओर की मिट्टी खोदकर भुरभुरी करें। इसके अतिरिक्त वृक्ष के तने पर प्लास्टिक का गोल पट्टा लगाए एवं उस पर चिपचिपे पदार्थ लगायें, उदाहरण के लिए मोबाईल तेल या ग्रीस। बगीचे में चीटों की मांद को नष्ट करें। इसके लिये उनके बिल में क्लोरपायरिफॉस 20 ईसी 5 मिलीलीटर प्रति लिटर पानी में मिलाकर घोल बनाकर डालें। मिलीबग के नियन्त्रण के लिये क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी 2 मिलीलीटर या डायक्लारोव्हास 2.5 मिलीलीटर या डायमेथोएट 2 मिलीलीटर एक लिटर पानी में मिश्रण बनाकर वृक्ष तथा तने पर छिड़काव करें।

जून : 1. जिन बागवानों ने नये बागों की स्थापना के लिए गड्ढे मई में खोदकर रखे हों, वे नींबू वर्गीय फलों की उन्नत बागवानी के लिए गड्ढो में दो भाग मिट्टी, एक भाग रेती एवं एक भाग सड़ी गोबर की खाद और एक किलो सुपरफास्फेट मिलाकर अच्छी तरह भर दें, साथ में प्रत्येक गड्ढे में क्लोरपायरिफॉस पाउडर मिलायें ताकि दीमक न लग सके।

2. इस माह में नींबू पर कैंकर बैक्टीरियल रोग फैलने की आशंका रहती है, अतएव रोग ग्रसित पत्तियों, टहनियों को काट छांटकर जला दें। कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 180 ग्राम में स्ट्रेप्टोसाईक्लीन 6 ग्राम 60 लिटर पानी में मिलाकर बारिश के शुरुआत में वृक्ष पर अच्छी तरह छिड़काव करें। छिड़काव 30 दिन के अन्तराल पर दुबारा करें।

3. इस माह में सिट्रस सिल्ला, पत्री भेदक इल्ली तथा पत्ती खाने वाली इल्ली जैसे कीट के प्रकोप की रोकथाम हेतु डायमेथोएट 30 ईसी 15 मिलीलीटर या इमिडाक्लोरपिड 5 मिलीलीटर या क्विनालफॉस 15 मिलीलीटर कीटनाशक को 10 लिटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

जुलाई :1. वर्षा के मौसम में बगीचे से पानी की निकासी का प्रबन्ध अच्छा होना चाहिये।

बारिश के पानी को सुचारु रुप से निकालने के लिये खेत में पानी के उतार की ओर प्रत्येक दो वृक्षों के कतार के बाद 30 सेंटीमीटर गहरे, 45 सेंटीमीटर चौड़े तथा 30 सेंटीमीटर तल की चौड़ाई की नालियां बनाये। वृक्षों के चारों ओर भूमि समतल रखें, ताकि पानी जमा न होने पाये।